राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार,24 नवेम्बर–2021 वर्ष–4,अंक–301 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बहादुरों का राष्ट्रपति ने किया सम्मान

कर्नल संतोष बाबू को मिला महावीर चक्र

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को 15 जून, 2020 को गलवान में चीनी सैनिकों को मुंहतोड़ जवाब देने वाले बहादुरों को युद्धकालीन सम्मान से सम्मानित किया है। कर्नल बी संतोष बाबू को मरणोपरांत असाधारण साहस और नेतृत्व के लिए महावीर चक्र (एमवीसी) से सम्मानित किया गया है। पांच अन्य सैनिकों को मरणोपरांत सम्मानित किया गया वीर चक्र (शौर्य) से सम्मानित किया गया है। मरणोपरांत वीर चक्र पुरस्कार विजेताओं में नायब सूबेदार नुदुरम सोरेन (16 बिहार), हवलदार के पलानी (81 फील्ड) नायक दीपक सिंह (16 बिहार) और सिपाही गुरतेज सिंह (3 पंजाब) शामिल हैं। हवलदार तेजिंदर सिंह आज युद्धकालीन सम्मान पाने वाले के एकमात्र जीवित सैनिक हैं। गलवान घाटी में पेट्रोलिंग प्वाइंट 14 के पास सात घंटे के घातक संघर्ष में बीस भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। भारतीय सैनिकों ने चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) को भी भारी नुकसान पहुंचाया। कर्नल बिकुमल्ला संतोष बाबू, महावीर चक्र (मरणोपरांत): ऑपरेशन हिम तेंदुए के दौरान गालवान घाटी में तैनात संतोष बाबू को सीमा गतिरोध के बीच एक पोस्ट स्थापित करने का काम सौंपा गया था। एक ठोस योजना के साथ अपने सैनिकों को स्थिति के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने इस कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। पोस्ट पर रहते हुए, उनकी टीम को विरोधी के कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। चीनी सैनिकों ने उन पर और उनके सैनिकों पर घातक और धारदार हथियारों के साथ-साथ आसपास की ऊंचाइयों से भारी पथराव किया। शत्रु सैनिकों की जबरदस्त हिंसक और आक्रामक कार्रवाई से निडर होकर, कर्नल संतोष बाबू ने भारतीय सैनिकों को पीछे धकेलने के दुश्मन के प्रयास का विरोध करना जारी रखा। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, कर्नल बाबू ने अपने पोस्ट पर दुश्मन के हमले को रोकने के लिए शत्रुतापूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पूर्ण कमान और नियंत्रण के साथ सामने से नेतृत्व किया। दुश्मन सैनिकों के साथ शुरू हुई आमने-सामने की लड़ाई में, उन्होंने अपनी अंतिम सांस तक हमले का बहादुरी से विरोध किया। उन्होंने अपने सैनिकों को जमीन पर टिके रहने के लिए प्रेरित किया। दुश्मन के सामने विशिष्ट बहादुरी, अनुकरणीय नेतृत्व और कर्तव्य की पंक्ति में सर्वोच्च बलिदान के लिए कर्नल बाबू को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। नायब सूबेदार नुदुरम सोरेन, वीआरसी (मरणोपरांत): उन्होंने बहादुरी से अपने पोस्ट का नेतृत्व किया। भारतीय सैनिकों को पीछे धकेलने के दुश्मन के प्रयास का विरोध किया। उन्होंने अपनी टीम को संगठित किया, विरोधी का बलपूर्वक मुकाबला किया और भारतीय सैनिकों को पीछे धकेलने के उनके प्रयास में उन्हें रोक दिया। हिंसक झड़प के दौरान, उन्हें एक चुनौतीपूर्ण नेता के रूप में देखा गया। दुश्मन सैनिकों द्वारा घातक और तेज हथियारों से निशाना बनाया गया था।

संक्षिप्त खबरें

मायावती ने जारी किया उपलब्धियों का फोल्डर

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को दावा किया कि उनकी सरकार में राज्य के विकास के लिए असंख्य कार्य किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी (सपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारों ने उनके द्वारा किये गये कार्यों को रूप बदलकर पेश किया। मायावती ने अपनी सरकार की उपलब्धियों वाला फोल्डर भी जारी किया। मायावती ने मंगलवार को यहां बसपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा, बसपा अन्य पार्टियों की तरह विज्ञापन देकर हल्ला नहीं करती बल्कि काम करने में विश्वास रखती है। इसीलिए हमारी पार्टी बिना घोषणा पत्र के जमीनी स्तर पर काम करना पसंद करती है।' उन्होंने कहा कि राज्य में चार बार बसपा की सरकार रही है और उसने राज्य और लोगों के कल्याण व विकास के लिए असंख्य ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उन्होंने कहा, "राज्य की जनता को हमारे कार्यों की याद दिलाने के लिए, लोगों तक पहुंचाने के लिए एक फोल्डर तैयार किया गया है। आने वाले चुनावों में अगर बसपा फिर से सरकार बनाती है तो वह सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय के लिए काम करती रहेगी।" बसपा प्रमुख ने कहा कि जब हमारी फिर से सरकार बनेगी तो हम राज्य के विकास और गरीबों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों, वकीलों, कर्मचारियों, छात्रों, महिलाओं और बुजुर्गों के कल्याण के लिए उसी पैटर्न पर काम करेंगे। उन्होंने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को किसानों के साथ मिल बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान करने का सुझाव दिया और कहा कि केंद्र सरकार को इस मामले को ज्यादा नहीं लटकाना चाहिए।

समीर वानखेड़े की टीम ने पकड़ा ड्रग्स का गुप्त ठिकाना, बड़े पैमाने पर अफीम हुई बरामद

मुम्बई। आर्यन खान केस की जांच के दौरान चर्चा में आए एनसीबी अफसर समीर वानखेड़े की टीम ने महाराष्ट्र ने नांदेड़ में ड्रग्स के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। टीम ने बड़ी मात्रा में अफीम और पॉपी स्ट्रा बरामद किया है। मुंबई एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े एक बार फिर से चर्चा में हैं। उनकी टीम ने नांदेड़ जिले के कंधार में ड्रग्स के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। यहां से एनसीबी टीम ने 1.4 किलो अफीम बरामद की है। इसके अलावा 111 किलो पॉपी स्ट्रॉ भी पकड़ा गया है। यही नहीं 1.55 लाख रुपये और 2 ग्राइंडिंग भी पकड़ी गई हैं। समीर वानखेड़े ने कहा कि इन मशीनों का इस्तेमाल पॉपी सीड्स की ग्राइंडिंग के लिए किया जाता था। यही नहीं नोट गिनने की मशीन भी पकड़ी गई है। समीर वानखेड़े ने कहा कि सोमवार को की गई छापेमारी के दौरान इन चीजों को पकड़ा गया है इस मामले में अब तक तीन लोगों को पकड़ा गया है। ड्रग्स के सप्लायर्स को पकड़ने के लिए ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मुंबई जोन एनसीबी डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने कहा कि इस साल का यह 99वां मामला है।

अभिनंदन का हुआ सम्मान तो तिलमिलाया पाकिस्तान

एफ-16 पर फिर बोला झूठ

नई दिल्ली। बालाकोट के हीरो अभिनंदन वर्धमान को वीर चक्र सम्मान प्रदान किए जाने के बाद से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। पाकिस्तान ने कहा कि यह मामला बताता है कि भारत किस तरह से तथ्यों को गलत ढंग से पेश करता है और उस शख्स को सम्मान देता है जिसने की हमारे मिग-21 को छुआ तक नहीं। भारत काल्पनिक दुनिया में जीने की कोशिश करता है। पाकिस्तानी अखबार डॉन में विदेश मंत्रालय का बयान प्रकाशित किया गया है। पाक विदेश मंत्रालय ने अभिनंदन को सम्मानित किए जाने को सैन्य आचार संहिता के भी खिलाफ बताया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने आगे अपने बयान में कहा कि पाकिस्तान पूरी तरह से निराधार भारतीय दावों को स्पष्ट रूप से खारिज करता है कि एक भारतीय पायलट अभिनंदन द्वारा एक पाकिस्तानी एफ -16 विमान को मार गिराया गया था। बता दें कि इससे पहले सोमवार को पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) की उपाध्यक्ष शेरी रहमान ने इसे लेकर कहा कि क्या सच में ऐसा हो रहा है? पाकिस्तान की कस्टडी में चाय पीने के लिए उन्हें अवार्ड दिया जा रहा है? वहीं, डिजिटल मीडिया पर प्रधानमंत्री इमरान खान के प्रवक्ता डॉ. अर्सलान खालिद ने एक ट्वीट में इसे लेकर विवादित टिप्पणी कर दी। खालिद ने उस वक्त के घटनाक्रम को पाकिस्तान की जीत करार दिया। बता दें कि भारतीय वायुसेना के लिए सोमवार का दिने बेहद ही खास रहा। दरअसल, 27 फरवरी, 2019 को एक पाकिस्तानी ऋ16 लड़ाकू विमान को हवाई युद्ध में मार गिराने वाले विंग कमांडर(वर्तमान में ग्रुप कैप्टन) अभिनंदन वर्धमान को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा वीर चक्र से सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि 14 फरवरी 2019 को पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद` ने पुलवामा पर फिदायीन हमला किया था। इस हमले में भारत के 40 जवान शहीद हो गए थे। वहीं इसके बाद पीएम मोदी ने इस हमले का मुंहतोड़ जवाब देने का एलान किया था। वायुसेना ने 26-27 फरवरी की रात पाकिस्तान के बालाकोट में एयरस्ट्राइक की थी। भारतीय सेना के हमले में 300 से ज्यादा आर्तकियों की मौत हो गई थी। जिसके बाद अगले दिन ही बौखलाए पाकिस्तान की वायुसेना ने भारत में घुसने की कोशिश की, लेकिन भारतीय वायुसेना ने उसे खदेड़ दिया।

अब अदालत ने भी परमबीर सिंह को 'फरार' घोषित किया

मुम्बई। वसूली के एक मामले में फरार चल रहे मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह को अब यहां की एक अदालत ने भी फरार घोषित कर दिया है। अदालत के आदेश के बाद` जुहू स्थित उनके फ्लैट के बाहर एक नोटिस चिपका दिया गया है। हालांकि सोमवार को परमबीर सिंह की याचिका पर सुनवाई के दौराने सुप्रीम कोर्ट में उनके वकील ने बताया कि वह इसलिए छुपे हुए हैं, क्योंकि मुंबई पुलिस से उनकी जान को खतरा है। उन्होंने बताया कि वह 48 घंटे के भीतर सीबीआई या कोर्ट में पेश होने के लिए तैयार हैं। वकील के इस खुलासे के बाद सुप्रीम कोर्ट ने परमबीर सिंह से जांच में सहयोग करने को कहा है। कोर्ट ने फिलहाल परमबीर सिंह की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है और उनसे पूरे मामले की जांच के दौरान सहयोग बरतने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट में उनके वकील ने कहा कि परमबीर सिंह को पूरे मामले में फंसाया जा रहा है। उन्होंने जिन अधिकारियों को भ्रष्ट आचरण के लिए दंडित किया है, उन्हीं को आज शिकायतकर्ता बनाया गया है। अब तक उनके खिलाफ छह मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से इस मामले में सीबीआई और महाराष्ट्र डीजीपी को नोटिस भी जारी किया गया है। इसके तहत परमबीर सिंह के खिलाफ फिलहाल कार्रवाई पर रोक लगा दी गई है। कोर्ट अब इस मामले में छह दिसंबर को अगली सुनवाई करेगा। इस बीच महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए गठित जस्टिस केयू चांदीवाल आयोग ने मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह के हस्ताक्षर को लेकर हलफनामा दाखिल करने को कहा।

कांग्रेस नेता का मनमोहन सरकार पर हमला

पाक पर कार्रवाई ना करना कमजोरी की निशानी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी ने साल 2008 में मुंबई में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान पर कार्रवाई नहीं करने के लिए मनमोहन सरकार पर हमला बोला है। मनीष तिवारी ने अपनी किताब में पूर्व की कांग्रेस सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुंबई हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं करके आपने अपनी कमजोरी को दशार्या। उन्होंने लिखा कि मनमोहन सरकार को पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए थी। उन्होंने लिखा कि एक वक्त आता है, जब कार्रवाई शब्दों से ज्यादा बोलती है। 26/11 वह समय था, जब सख्त कार्रवाई होनी चाहिए थी। इतना ही नहीं अपनी किताब में मनीष तिवारी ने मुंबई हमले की तुलना अमेरिका के 9/11 से करते हुए कहा कि भारत को उस समय अमेरिका की तरह ही जवाबी कार्रवाई करनी चाहिए थी। किताब को लेकर मनीष तिवारी ने कहा यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मेरी चौथी किताब जल्द ही बाजार में आएगी। उन्होंने कहा कि इस किताब में पिछले 20 वर्षों में भारत ने जिन प्रमुख राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना किया है, उसका वर्णन किया गया है। तिवारी पहले भी कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने कांग्रेस में कन्हैया कुमार की एंट्री पर भी सवाल उठाए थे। साथ में पंजाब में राजनीतिक अस्थिरता को लेकर भी` सवाल उठा चुके हैं। मनीष तिवारी की किताब में कही गई बात पर भाजपा ने भी कांग्रेस पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने ट्वीट कर कहा कि मनीष तिवारी ने 26/11 के बाद यूपीए सरकार की कमजोरी की ठीक ही आलोचना की है। उन्होंने लिखा कि एयर चीफ मार्शल फली मेजर ने भी कहा था कि इस हमले के बाद वायुसेना कार्रवाई करना चाहती थी, लेकिन यूपीए सरकार ने ऐसा नहीं करने दिया।

सोनिया-राहुल से भाजपा का सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने बुक बम फोड़कर एक नए विवाद को जन्म दे दिया है। मनीष तिवारी की किताब पर अब भाजपा ने तीखा हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि मनीष तिवारी द्वारा लिखी गई पुस्तक में कुछ भी गलत नहीं कहा गया है। ये कांग्रेस की विफलता का कबूलनामा है। दिल्ली के भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गौरव भाटिया ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने पूछा कि क्या` सोनिया गांधी और राहुल गांधी मनीष तिवारी की किताब में किए गए दावे पर अपनी चुप्पी तोड़ेंगे? भाटिया ने किताब का जिक्र करते हुए कहा कि इस तथ्य के बाद आज स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस की जो सरकार थी वो निठल्ली, निकम्मी थी, लेकिन राष्ट्र सुरक्षा जैसे मुद्दे पर भारत की अखंडता की भी उनको चिंता नहीं थी। हर भारतीय ये बात कहता था, भाजपा भी यही बात कह रही थी।

अनिल घनवट ने सीजेआई को लिखा पत्र

नई दिल्ली। कृषि कानूनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त किए गए पैनल के सदस्यों में से एक अनिल घनवट ने मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में घनवट ने अनुरोध किया है कि तीन कृषि कानूनों पर रिपोर्ट को जल्द से जल्द जारी करने पर विचार करें या फिर अधिकृत समिति को ऐसा करने का निर्देश दें। अपने इस पत्र में उन्होंने लिखा कि केंद्र सरकार की ओर से संसद के आगामी शीत सत्र में इन तीनों कानूनों को वापस लेने का फैसला किया गया है तो अब इस रिपोर्ट का कोई मतलब नहीं है। लेकिन, इस रिपोर्ट में जो सिफारिशें दी गई हैं वह बड़े सार्वजनिक हित की हैं। यह रिपोर्ट उन किसानों को सही राह दिखा सकती है जिन्हें कुछ नेताओं ने गुमराह किया है। घनवट ने कहा कि हम कृषि सुधारों की मांग के साथ अगले कुछ महीनों में एक लाख किसानों को लेकर दिल्ली पहुंचेंगे। घनवट शेतकारी संगठन के वरिष्ठ नेता भी हैं। उल्लेखनीय है कि कृषि कानूनों पर तीन सदस्यीय पैनल ने अपनी रिपोर्ट 19 मार्च को सुप्रीम कोर्ट के पास जमा कर दी थी। लेकिन अब तक इस रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया है।

संसद में भाजपा को मात देने की तैयारी में जुटी कांग्रेस, सोनिया की अध्यक्षता में होगी महत्वपूर्ण बैठक

नयी दिल्ली। संसद के आगामी शीतकालीन सत्र को लेकर कांग्रेस अपनी रणनीतियां तैयार कर रही है। इसके लिए पार्टी अध्यक्षा सोनिया गांधी ने संसदीय रणनीति समिति की बैठक बुलाई है। आपको बता दें कि संसद का शीतकालीन सत्र 29 नवंबर से आरंभ हो रहा है, जो 23 दिसंबर तक चलेगा। इससे पहले 25 नवंबर को सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाली बैठक हो सकती है। मानसून सत्र की तरह शीतकालीन सत्र भी हंगामेदार हो सकता है। मानसून सत्र में विपक्षी दलों ने पेगाससस जासूसी मामला, किसान आंदोलन समेत कई मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश की थी और सदन की कार्यवाही को बाधित किया था। ऐसे में इस बार भी सदन की कार्यवाही बाधित हो सकती है। हालांकि सरकार ने तीनों कृषि कानूनों की वापसी का ऐलान कर दिया है। पिछली बार कांग्रेस को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का थोड़ा बहुत साथ तो मिला था लेकिन विपक्षी दलों का नेतृत्व करने को लेकर मामला थोड़ा बिगड़ता हुआ दिखा। क्योंकि कांग्रेस राहुल गांधी को आगे बढ़ा रही है जबकि ममता बनर्जी खुद को विपक्षी दलों के चेहरे के तौर पर देखती हैं। ऐसे में इस बार यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या कांग्रेस का टीएमसी का साथ मिलेगा भी या नहीं ? कांग्रेस का वॉररूम कहे जाने वाले 15 गुरुद्वारा रकाबजगंज रोड पर हुई बैठक में पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने प्रदेश अध्यक्ष और प्रभारियों के साथ कृषि कानूनों को वापस लिए जाने की घोषणा और कुछ अन्य मुद्दों पर चर्चा की। इस बैठक में पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी भी शामिल हुए।

टमाटर ने लगाई सेंचुरी.....

जयपुर में दाम 100 रुपए किलो, दिल्ली-मुंबई और भोपाल में भी कीमतें आसमान पर

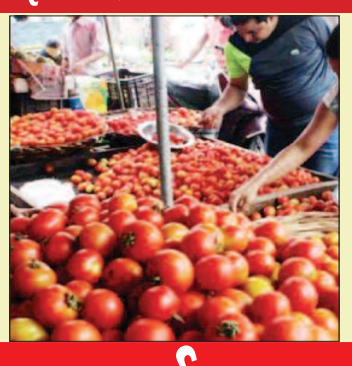

नई दिल्ली। टमाटर के बढ़ते दामों ने आम आदमी की रसोई का बजट बिगाड़ कर रख दिया है। इस समय टमाटर के दाम 100 रुपए के पार निकल गए हैं। देश में सबसे महंगा टमाटर अण्डमान व निकोबार की राजधानी पोर्ट ब्लेयर में बिक रहा हैं। यहां टमाटर 113 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है। देश की राजधानी दिल्ली में भी 65 से 90 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है। इस समय अन्य सब्जियों के भाव सामान्य हैं लेकिन टमाटर ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। टमाटर की खेती करने वाले किसान सोनू यादव बताते हैं कि इस सीजन में टमाटर का भाव प्रति किलो 20 से 30 रुपए रहता है। लेकिन इस समय टमाटर की ज्यादातर सप्लाई दक्षिण राज्यों से हो रही है। इन राज्यों में बारिश के कारण फसल को काफी नुकसान हुआ है इस कारण टमाटर के भाव कई गुना बढ़ गए हैं। वहीं शादियों का सीजन शुरू होने से टमाटर की मांग बढ़ी है। कोरोना की तीसरी लहर की आशंका से भी टमाटर की खेती कम हुई। थोक सब्जी कारोबारियों का कहना है कि नई फसल के लिए लोगों को जनवरी-फरवरी तक इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि नई फसल 15 अक्टूबर के आस-पास लगाई गई है, जिसे तैयार होने में कम से कम 3 महीने का समय लगेगा। शादियों के सीजन के साथ होटल, रेस्टोरेंट के खुलने के बाद मांग बढ़ती जा रही है। नेशनल हॉर्टिकल्चरल रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन के अनुसार, चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक देश भारत, 7.89 लाख हेक्टेयर क्षेत्र से लगभग 25.05 टन प्रति हेक्टेयर की औसत उपज के साथ करीब 1.975 करोड़ टन टमाटर का उत्पादन करता है। इसके बाद भी यहां टमाटर 100 रुपए के करीब पहुंच गया है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

जो प्राणिमात्र के लिये अत्यन्त हितकर हो, मै इसी को सत्य कहता हूँ। - वेदव्यास

संपादकीय

बारिश से आपदा

दक्षिण भारत के अनेक इलाके बारिश से परेशान हैं। बेंगलुरु और चेन्नई के अनेक इलाकों में इतना ज्यादा पानी भर गया है कि नाव चलाकर लोगों को राहत देने की नौबत आ गई है। खासकर, तमिलनाडु की राजधानी के औद्योगिक क्षेत्र मनाली में कई घरों में पानी घुस गया है। उत्तरी चेन्नई में पड़ोस के कई हिस्से नदी में ज्यादा पानी आने से जलमग्न हो गए हैं। बारिश से आंध्र प्रदेश में भी बुरा हाल है, जहां 30 से ज्यादा लोगों की मौत की सूचना है और अनेक लापता हैं। ज्यादातर जलाशय भर गए हैं और उनके दरवाजे खोलने पड़ रहे हैं, जिससे आसपास के इलाकों में जल भराव का खतरा बढ़ जा रहा है। यह अपने आप में अफसोसजनक तथ्य है कि कर्नाटक की सुविख्यात राजधानी बेंगलुरु में बारिश से बाढ़ की स्थिति बन जा रही है। आसपास की झीलों में पानी लबालब भरकर बहने लगा है। पलार नदी में विगत 60 वर्षों में कभी इतना पानी नहीं आया था। बड़ा सवाल यह है कि 24 घंटे में 153 मिमी बारिश का क्या इशारा है? ऐसे प्रतिकूल मौसम का विस्तार से अध्ययन जरूरी है? राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल को तैनात कर दिया गया है, लेकिन मौसम विज्ञानियों के साथ ही अन्य संबंधित वैज्ञानिकों को भी अध्ययन के लिए तैनात कर देना चाहिए। चिंता इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि हवाई, सड़क और रेल यातायात प्रभावित हुआ है। पिछले ढाई सप्ताह से बंगाल की खाड़ी से बारिश के अनुकूल माहौल बना हुआ है। केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक, चारों ही राज्यों में इस मौसम में लौटते मानसून की बारिश होती है, लेकिन इस बार कुछ ज्यादा ही हो रही है। यह अध्ययन का विषय है, इसे केवल प्राकृतिक घटना या आपदा के रूप में नहीं लिया जा सकता। मौसम विभाग ने रविवार को ही स्पष्ट कर दिया है कि आगामी पांच दिनों तक चारों राज्यों और पुडुचेरी में वर्षा का क्रम रहेगा। बेशक, भारत में विशेष रूप से शहरों से संबंधित विशेष योजना बनाने की जरूरत है। कभी दिल्ली, तो कभी मुंबई, कभी पटना व अन्य शहरों में बारिश से बुरा हाल हो जाता है। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि शहरों में जल निकासी की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि किसी भी स्थिति में जल भराव न हो। दिक्कत यह है कि ज्यादातर स्थानीय निकायों के जिम्मे ही यह काम छोड़ दिया जाता है। शहरी निकायों के सोचने का तरीका अलग होता है, अधिकारी सोचते हैं कि वर्षा के कारण साल में दस या पंद्रह दिन ही समस्या रहेगी, अत- पंद्रह दिन की परेशानी से बचने के लिए कोई ठोस स्थायी उपाय क्यों आजमाया जाए? अधिकारी सोचते हैं कि बारिश का पानी भरा है, तो कुछ ही दिन में उतर जाएगा और लोग भी अपनी परेशानी भूल जाएंगे। देश में अनेक शहर हैं, जहां जल निकासी के लिए सड़कों से सटी सामान्य नालियां तक नहीं हैं। जहां नालियां हैं, वहां उनकी उचित साफ-सफाई नहीं होती है। कचरा प्रबंधन खराब है, इसके चलते भी जल निकासी मुश्किल हो जाती है। शहर के लोगों को अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिए कि पानी की राह में कौन रोड़ा बन रहा है? कभी हर शहर में कई-कई तालाब हुआ करते थे, वे अब कहां हैं? जिस दिन हम इन बुनियादी सवालों के जवाब खोजने लगेंगे, उस दिन पानी शहरों के लिए मुसीबत नहीं, वरदान होने लगेगा।

जागरण-चरण

आचार्य रजनीश ओशो/ जागरण की तीन सीढ़ियां हैं। पहली सीढ़ी- ामिक जागरण। बुरे का अंत हो जाता है और शुभ की बढ़ती होती है। ुभ विदा होता होता है। शुभ घना होता है। द्वितीय चरण-शुभ विदा होने ता है, शून्य घना होता है। और तृतीय चरण-शून्य भी विदा हो जाता तब जो सहज अवस्था रह जाती है,जो शुद्ध चैतन्य रह जाता है ामात्र, वही बुद्धावस्था है,वही निर्वाण है। शुरू करो जागना तो पहले तुम ोगे जो गलत है, छूटने लगा। गंदी करके कर रहा है। जैसे धूम्रपान। ारेट पीने में पाप नहीं है। बुद्धूपन जरूर है, मूढ़ता जरूर है, लेकिन पाप ं है। मूढ़ता इसलिए है कि शुद्ध हवा ले जा सकता था और प्राणायाम लेता। प्राणायाम ही कर रहा है। लेकिन नाहक हवा को गंदी करके रहा है। धूम्रपान एक तरह का मूढ़तापूर्ण प्राणायाम है। योग साध रहे मगर वह भी खराब करके।अगर तुम जरा होशपूर्वक सिगरेट पियोगे ा मुश्किल हो जाएगा। मूढ़ता इतनी प्रकटता से दिखाई पड़ेगी कि हाथ सिगरेट हाथ में रह जाएगी। तो पहले ऐसी व्यर्थ की चीजें छूटनी शुरू ो। फिर धीरे-धीरे तुम जो गलत करते थे, जरा-जरा सी बात पर क्रुद्ध जाते थे, नाराज हो जाते थे, वह छूटना शुरू हो जाएगा। बुद्ध ने कहा है किसी दूसरे की भूल पर तुम्हारा क्रुद्ध होना ऐसे ही है जैसे किसी दूसरे भूल पर अपने को दंड देना। और जैसे-जैसे ही बुरा छुटेगा, तो जो र्ा बुरे में नियोजित थी। वह भले में संलग्न होने लगेगी। फिर दूसरा ण-भले की भी समाप्ति होने लगेगी; क्योंकि प्रेम भी बिना घृणा के नहीं सकता। वह घृणा का ही दूसरा पहलू है। वह परिवर्तनीय है। वे एक ही के के दो पहलू हैं। तो पहले बुरा गया, सिक्के का एक पहलू विदा हुआ; र दूसरा पहलू भी विदा हो जाएगा, फिर भला भी विदा हो जाएगा। और य की बढ़ती होगी। तुम्हारे भीतर शांति की बढ़ती होगी। न शुभ न ुभ। तुम निर्विषय होने लगोगे, निर्विकार होने लगोगे। और तीसरे चरण अंतिम चरण में, यह भी बोध न रह जाएगा कि मैं शून्य हो गया हूं, कि जब तक यह बोध कि मैं शून्य हूं, तब तक एक विचार अभी शेष मैं शून्य हूं, यह विचार शेष है। यह विचार भी जाना चाहिए। यह भी ा जाएगा। तब तुम रह गए निर्विचार,निर्विकल्प। उस को ही पतंजलि ने ा है निर्बीज समाधि; बुद्ध ने कहा है निर्वाण; महावीर ने कहा है कैवल्य अवस्था। जो नाम तुम्हें प्रीतिकर हो, वह नाम तुम दे सकते हो-अमि त बिगसत कवंल।

युक्तिसगंत बनानी होगी एमएसपी व्यवस्था

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

केंद्र सरकार ने कृषि कानूनों को वापस ले लिया है पर किसान अभी भी एमएसपी को लेकर डटे हुए हैं। आजादी के 75 साल बाद भी एमएसपी पर खरीद कुछ फसलों तक सीमित है। वहीं एमएसपी व्यवस्था को युक्ति संगत बनाना आज भी आवश्यक है। इसमें कोई दो राय नहीं कि किसानों को मुख्यधारा में लाने के लिए एमएसपी व्यवस्था कारगर सिद्ध हो सकती है। अन्नदाता को आर्थिक विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लाख दावे किए जाते रहे हों पर वह दिन अभी दूर की कौड़ी है जब देश का अन्नदाता अपनी मेहनत से तैयार उपज का भाव स्वयं तय कर सके। कई दशकों से चली आ रही एमएसपी व्यवस्था के बावजूद अभी एमएसपी के नाम पर ले देकर किसान गेहूं, चावल, कपास, गन्ना, सरसो, सोयाबीन, मूंगफली और अब पिछले कुछ सालों की बात करें तो मूंग-उड़द की बात की जा सकती है। दुनिया आज मोटे अनाज को लेकर गंभीर हुई है और मोटे अनाज को बढ़ावा देने की बात की जा रही है, वहीं बाजरा आदि मोटे अनाज की खरीद कोसो दूर है। नेशनल सैंपल सर्वे की हालिया रिपोर्ट के अनुसार 2019 के दौरान देश में सिर्फ पांच फसलों की खरीद ही दस प्रतिशत से ज्यादा रही है। गेहूं, चावल, गन्ना और कपास की खरीद अधिक मात्रा में होती रही है। पिछले सालों में एमएसपी दरों में अच्छी खासा बढ़ोतरी हुई है तो दूसरी और कृषि लागत में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। इसलिए एमएसपी बढ़ने के बावजूद अधिक लाभ वाली बात नहीं है। यही कारण है कि नए कृषि कानूनों के चलते सबसे मुखर आवाज उभर कर आई है तो वह न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की व्यवस्था को लेकर हुई है। सरकार का दावा है कि नए कानूनों के बावजूद एमएसपी पर खरीद व्यवस्था जारी है और जारी रहेगी। वहीं, किसानों की पैरवी करने वाले सभी संगठन एमएसपी को लेकर अधिक मुखर हैं। एमएसपी को लेकर देश में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। हालांकि एमएसपी को लेकर लाख संदेहों के बावजूद देश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद जारी है। यह सही है कि पिछले कुछ सालों से फसल की बुवाई के समय या उसके आसपास ही फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाने लगी है। इससे पहले देरी से एमएसपी की घोषणा को लेकर विवाद होता रहता था और यह कहा जाता था कि समय पर एमएसपी की घोषणा नहीं होने से किसान अच्छे मूल्य वाली फसलों की बुवाई से वंचित रह जाता था। अब हालात में सुधार आया है। पर सवाल अभी भी वहीं का वहीं है। अभी भी एमएसपी को लेकर वह जागरुकता नहीं है जो उसमें होनी चाहिए। इसका एक बड़ा कारण देश में खेती के लिए चली आ रही संस्थागत ऋण व्यवस्था है। देश की संस्थागत वित्तदायी संस्थाएं आजादी के सात दशक बाद भी सभी किसानों की खेती के लिए आवश्यक वित्त व्यवस्था करने में विफल रही हैं। यही कारण है कि आज भी बड़ी संख्या में काश्तकारों के रुपयों-पैसों की जरूरत पूरी करने के लिए गैर संस्थागत ऋण दाताओं खासतौर से साहूकारों पर निर्भरता बनी हुई है। लाख दावे किए जाते हों पर सहकारी ऋण व्यवस्था में झोल आज भी बना हुआ है। वैसे सहकारी बैंक संसाधनों की कमी के चलते सभी किसानों की ऋण जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रही है। इस कारण किसानों की निर्भरता अन्य स्रोतों पर बनी हुई है। किसानों से ही खरीद का दावा करने के बावजूद किसानों की मेहनत का बहुत बड़ा हिस्सा इन साहूकारों या गैर संस्थागत ऋणदाताओं की झोली में चला जाता है और किसान अपने आपको ठगा महसूस करता है। सरकार द्वारा खरीफ और रबी के लिए फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर घोषणा की जाती है। गेहूं आदि खाद्यान्नों की खरीद की जिम्मेदारी जहां भारतीय खाद्य निगम के पास है तो दलहनी और तिलहनी फसलों की खरीद की जिम्मेदारी नेफैड ने संभाल रखी है। कपास की खरीद कॉटन कारपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा तो गन्ने की खरीद गन्ना मिलों द्वारा की जा रही है। कुछ प्रदेशों में राज्य की संस्थाओं द्वारा भी वाणिज्यिक दरों के साथ ही बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत खरीद की जाती है पर यह नाममात्र की ही हो पाती है। भारतीय खाद्य निगम और नेफैड, बदली परिस्थितियों में दोनों ही संस्थाएं खरी नहीं उतरी हैं और यही कारण है कि नेफैड जहां लड़खड़ाती हुई जैसे-तैसे चल रही हैं वहीं भारतीय खाद्य निगम के पुनर्गठन पर भी विचार की चर्चा यदाकदा चलती रही है। ले देकर देश में गेहूं और चावल की ही एमएसपी पर अधिक व समय पर खरीद होती है। इसकी खरीद के पीछे भी एक दूसरा बड़ा कारण सरकार की सार्वजनिक वितरण प्रणाली की बाध्यता भी है। सरकार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गेहूं और चावल आदि उपलब्ध कराने होते हैं। इसके लिए सरकार के पास बड़ा सहारा एमएसपी पर खरीद व्यवस्था ही है। कोरोना महामारी के दौर में खाद्यान्नों की उपलब्धता व्यवस्था पूरी तरह से खरी उतरी है। सरकारी गोदामों में गेहूं-चावल के भंडार के चलते केन्द्र व राज्य सरकारों ने जरूरतमंद लोगों को मुफ्त राशन सामग्री उपलब्ध कराने में कोई कोताही नहीं बरती। परिणाम सामने है कि देश में कोरोना लॉकडाउन व उसके अलावा भी राशन सामग्री उपलब्ध कराने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। पूरी निष्पक्षता के साथ कहा जा सकता है कि इसका श्रेय अन्नदाता की मेहनत और सरकार की एमएसपी व्यवस्था को ही जाता है। आज भी देश की एमएसपी खरीद व्यवस्था गेहूं, धान, कपास, गन्ना, सरसों आदि तक सीमित है। जबकि 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष मनाने की तैयारियां जोरों से चल रही है। मोटे अनाज का महत्व समझा जाने लगा है। ऐसे में मोटे अनाज का लाभकारी मूल्य मिले यह सुनिश्चित करना भी सरकारों की जिम्मेदारी हो जाती है ताकि किसान स्वयं आगे आकर मोटे अनाज की पैदावार लेने के प्रति प्रेरित हो। सरकारों को इस ओर सोचना होगा। आज राजस्थान सहित उत्तरी भारत के राज्यों में बाजरे की समर्थन मूल्य पर खरीद की मांग की जा रही है। होना तो यह चाहिए कि जिस भी फसल का समर्थन मूल्य घोषित हो उसके भाव बाजार में कम होते ही खरीद आरंभ हो जाए तो समस्या का समाधान बहुत आसानी से हो सकता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

गंभीर आपराधिक मामलों की जांच में देरी

अनूप भटनागर

पंजाब, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल सहित आठ गैर भाजपा सरकारों द्वारा अपने राज्यों में सीबीआई को जांच की अनुमति वापस लिये जाने से एक नया विवाद शुरू हो रहा है। सीबीआई को दी गयी सहमति वापस लिये जाने का मामला अब उच्चतम न्यायालय के संज्ञान में लाया गया है। सवाल उठ रहा है कि क्या भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और धनशोधन के मामलों में जानबूझकर बाधा डालकर संदिग्ध आरोपियों को बचाने के प्रयास हो रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में वैचारिक मतभेद और असहमति होना स्वाभाविक है। शीर्ष अदालत भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति को प्रेशर वाल्व मानती है। लेकिन इसकी आड़ में भ्रष्टाचार, सुनियोजित अपराध और दूसरे अंतर्राज्यीय अपराधों की जांच करने वाली केंद्रीय एजेंसियों को राज्यों द्वारा सामान्य प्रक्रिया में दी गयी संस्तुति वापस लेना गंभीर सवाल पैदा करता है। आठ राज्यों की सरकारों का ऐसा रवैया अनायास इस आशंका को जन्म देता है कि शायद ये ऐसे अपराधों में संलिप्त आरोपियों को संरक्षण देने का प्रयास कर रही हैं। इन आठ राज्यों ने डीएसपीई कानून की धारा छह के तहत दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान (सीबीआई) को पहले दी गई सामान्य सहमति वापस ले ली है। इनमें पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, केरल और मिजोरम शामिल हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद दो मई से राज्य में हुई हिंसा की घटनाओं की जांच का काम केन्द्रीय जांच ब्यूरो को सौंपने के उच्च न्यायालय के निर्णय को शीर्ष अदालत में चुनौती देने का राज्य सरकार का फैसला और सुशांत सिंह राजपूत की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत की जांच के लिए मुंबई गए सीबीआई के जांच दल के साथ कोविड प्रोटोकॉल के नाम पर हुआ व्यवहार इस तरह की आशंका को पुख्ता करता है। इन राज्यों द्वारा केन्द्र के साथ वैचारिक मतभेदों की वजह से डीएसपीई कानून की धारा छह के तहत केन्द्रीय जांच ब्यूरो को अपने यहां जांच के लिए पहले दी गई सामान्य सहमति वापस लेने का नतीजा यह है कि भ्रष्टाचार के 150 से अधिक मामलों की जांच अधर में लटकी हुई है। उच्चतम न्यायालय को उपलब्ध कराई जानकारी के अनुसार इन आठ राज्यों को 2018 से जून, 2021 के दौरान 150 से भी ज्यादा अनुरोध उनकी विशिष्ट सहमति के लिए भेजे गए लेकिन उसे अभी तक सहमति नहीं मिली है। राज्यों के इस रवैये से उच्चतम न्यायालय भी चिंतित है। न्यायालय ने हाल ही में इस तथ्य का जिक्र करते हुए कहा कि ये अनुरोध आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति अर्जित करने, विदेशी मुद्रा को नुकसान, बैंकों के साथ धोखाधड़ी और हेराफेरी करने जैसे आरोपों की जांच से संबंधित हैं। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश की पीठ ने यह कहने में भी संकोच नहीं किया कि यह स्थिति वांछनीय नहीं है। भ्रष्टाचार और धनशोधन के मामलों में हमेशा ही सख्त रुख अपनाने वाली शीर्ष अदालत ने कहा कि इनमें 78 प्रतिशत मामले मुख्य रूप से देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले बैंक धोखाधड़ी के बड़े मामलों से संबंधित हैं। पीठ की इस तरह की सख्त टिप्पणी के मद्देनजर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि भ्रष्टाचार के इस तरह के गंभीर मामलों में सीबीआई को अपने राज्य में जांच की अनुमति नहीं देकर राज्य सरकारें किसका हित साध रही हैं। यह भी संयोग ही है कि सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों को सहमति नहीं देने वाली राज्य सरकारें गैर भाजपाई हैं। मतलब देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले अपराधों की जांच और दोषियों को कानून के शिकंजे में लाने के प्रयासों को भी राजनीतिक नफे-नुकसान की तराजू पर तोला जा रहा है। राजनीतिक लाभ-हानि को ध्यान में रखते हुए आपराधिक मामलों की जांच करने के लिए सहमति प्रदान नहीं करने का नतीजा यह होता है कि इनकी जांच लंबे समय तक अधर में ही लटकी रहती है। जांच पूरी होने में विलंब की वजह से ऐसे मामले अदालत में नहीं पहुंच पाते और अगर अदालत में पहुंच जाएं तो किसी न किसी आधार पर कई मामलों में न्यायिक रोक लग जाती है। यह सारे तथ्य केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्यशैली और उसके मुकदमों में दोष सिद्धि की दर के बारे में केन्द्रीय जांच ब्यूरो को हलफनामा दाखिल करने के शीर्ष अदालत के आदेश के जवाब में सामने आयी। जांच ब्यूरो ने अपने हलफनामे में दावा किया कि उससे संबंधित 13,200 से ज्यादा मामले देश की विभिन्न अदालतों में लंबित हैं। इनमें शीर्ष अदालत में लंबित 706 मामले भी शामिल हैं। राज्य सरकारों के रवैये की वजह से सीबीआई की जांच अधर में लटके होने और विभिन्न स्तरों पर अदालतों में लंबित मामलों के बारे में अब शीर्ष अदालत को ही कोई न कोई तर्कसंगत समाधान निकालना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि केन्द्र और राज्यों के बीच सीबीआई मामलों की जांच विभिन्न कारणों से लंबे समय से अधर में लटकी होने का विवाद जल्द सुलझा लिया जायेगा। यही नहीं, अदालतों में लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के बारे में शीर्ष अदालत केंद्रीय जांच एजेंसियों के साथ ही राज्य सरकारों को भी उचित आदेश देगी।

सू-दोकू नवताल -1970

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

सू-दोकू -1969 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1970

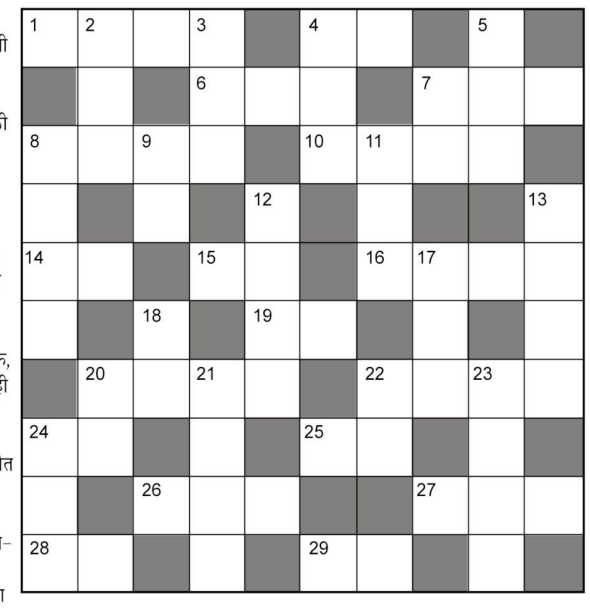

बायें से दायें:-

1. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-1,3
4. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-2
6. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-3
7. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-3
8. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-4
10. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-4
14. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-2
15. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-2
16. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-4
19. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-2
20. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-4
22. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-4
24. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-2
25. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-2
26. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-3
27. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-3
28. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-2
29. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

2. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-3
3. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-3
4. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-3
5. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-3
7. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-2
8. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-4
9. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-2
11. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-3
12. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-4
13. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-4
17. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-3
18. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-2
20. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-2
21. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-4
22. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-2
23. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-4
24. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-1969

गु	रु		खा	मो	शी		आ	स	रा
रु		फ	न		बा	द	शा	ह	
दे	वी		दा	ग		स्त		र	न
व	र	दा	न		म	क	ड़ी		ती
	ता			फॉ	सी			रा	जा
आ		स	जा		हा	र	जी	त	
शि	का	र		आ		क्ष		ओं	
क		ग	व	न		क	ह	र	
	धू	म		बा	जी			दि	ल
पा	प		जी	न	त		डॉ	न	

कोरोनावायरस के कारण 2020 में जर्मन घरेलू खपत में 3 प्रतिशत की कमी

बर्लिन।

जर्मन परिवारों ने 2020 में अपने मासिक खपत खर्च में तीन फीसदी की कमी की है, क्योंकि कोरोना महामारी ने निजी खर्च को स्पष्ट रूप से प्रभावित किया है। ये जानकारी संघीय सांख्यिकी कार्यालय (डेस्टेटिस) ने दी है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने डेस्टेटिस के हवाले से बताया कि जर्मनी में औसत मासिक घरेलू खर्च घटकर 2,500 यूरो (2,810 डॉलर) से थोड़ा ऊपर रह गया है। खानपान और आवास सेवाओं पर खर्च में पिछले वर्ष की तुलना में सबसे ज्यादा 35 प्रतिशत की गिरावट आई है। दूसरी सबसे बड़ी गिरावट शिक्षा में दर्ज की गई जहां जर्मनों ने 29 प्रतिशत कम खर्च किया। डेस्टेटिस के अनुसार, कोरोना लॉकडाउन के कारण, जर्मन उपभोक्ताओं ने घर, आंतरिक साज-सज्जा, घरेलू उपकरणों और घरेलू कपड़ों पर ध्यान केंद्रित किया। डेस्टेटिस के अनुसार, घरेलू उत्पादों ने सबसे अधिक वृद्धि दिखाई क्योंकि परिवारों ने पिछले साल ऐसी वस्तुओं पर प्रति माह औसतन 160 यूरो खर्च किए, जो 2019 की तुलना में लगभग 13 प्रतिशत ज्यादा है।

वनप्लस ने ट्राई-फोल्ड फोल्डेबल फोन का कराया पेटेंट

बीजिंग।

स्मार्टफोन निर्माता वनप्लस ट्राई फोल्डेबल फोन पर काम कर रहा है, जिसे एक आसान स्लाइडर द्वारा लॉक किया जा सकता है। गिज्मो चाइना की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में सर्च किए गए एक पेटेंट में दावा किया गया है कि फोल्डेबल फोन तीन डिस्प्ले के साथ आएगा। ऐसा माना जा रहा है कि पेटेंट दस्तावेज 2020 में चीन में दायर किया गया था और जुलाई 2021 में प्रकाशित हुआ था। अब इसे विश्व बौद्धिक संपदा कार्यालय (डब्ल्यूआईपीओ) डेटाबेस में पेटेंट के वैश्विक भंडार में शामिल किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, डिवाइस को अलग-अलग तरीकों से फोल्ड किया जा सकता है, जिससे डिवाइस के अधिक यूजर्स एप्लिकेशन के विकल्प मिलते हैं। वनप्लस ने वनप्लस 8, वनप्लस 8 प्रो और 8टी के एंड्रॉयड 12-आधारित ऑक्सीजनओएस 12 क्लोज्ड बीटा अपडेट के लिए टेस्टर्स की भर्ती भी शुरू कर दी है। यह एक अल्पकालिक बंद बीटा परीक्षण (सीबीटी) है, जहां प्रतिभागियों को एक गैर-प्रकटीकरण समझौते पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता होगी। 8टी वाले दो सौ लोगों को आमंत्रित किया जाएगा और वनप्लस8 या वनप्लस8 प्रो वाले 200 लोगों को भी आमंत्रित किया जाएगा। प्रतिभागियों को इस कार्यक्रम का सदस्य बनने के लिए वनप्लस के साथ एक एनडीए (गैर-प्रकटीकरण समझौता) पर हस्ताक्षर करने की भी आवश्यकता है। इसके अलावा, वनप्लस ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को उपहार देगा और चूंकि कंपनी इसे शॉर्ट-टर्म क्लोज्ड बीटा प्रोजेक्ट कह रही है, इसलिए उम्मीद कर सकते हैं कि जल्द ही वनप्लस 8, वनप्लस 8 प्रो और 8टी के लिए ओपन बीटा प्रोग्राम की घोषणा करे।

ओप्पो जल्द ही भारत में लॉन्च करेगा अपना पहला स्मार्ट टीवी

नई दिल्ली।

चीनी स्मार्टफोन ब्रांड वनप्लस और रियलमी ने पिछले एक साल में भारत में स्मार्ट टीवी लॉन्च किए थे। अब एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ओप्पो भी जल्द ही अपना पहला स्मार्ट टीवी लॉन्च करने की योजना बना रही है। गिज्मो चाइना की रिपोर्ट के मुताबिक, टीवी की लाइनअप की घोषणा बहुत जल्द होने की संभावना है, पहली इकाइयाँ 2022 की पहली तिमाही में बाजार में उतरेंगी। कंपनी पहले से ही चीन में स्मार्ट टीवी की एक श्रृंखला पेश की है। संभावना है कि कंपनी भारत में अपने मौजूदा मॉडलों में से एक का अनावरण कर सकती है। ओप्पो ने इस साल मार्च में स्मार्ट टीवी के9 सीरीज लॉन्च की थी, जो तीन अलग-अलग डिस्प्ले साइज, 43-इंच, 55-इंच और साथ ही 65-इंच के साथ आती है। कंपनी ने हाल ही में चीन में 75-इंच डिस्प्ले मॉडल के साथ एक नए स्मार्ट टीवी के9 की घोषणा की है। नए ओप्पो टीवी में 95 फीसदी स्क्रीन-टू-बॉडी रेशियो वाला मेटल फ्रेम होगा। यह 3840 एक्स 2160 पिक्सल (4के), 1.07 बिलियन रंग, एमइएमसी के साथ 60हट्र्ज रिफ्रेश रेट और 300 निट्स ब्राइटनेस (विशिष्ट) के साथ एक एलईडी-बैकलिट एलसीडी पैनल को स्पोर्ट करेगा। टेलीविजन मीडियाटेक एमटी9652 चिपसेट द्वारा संचालित है। इस एसओसी में

क्वाड-कोर एआरएम कॉर्टेक्स-ए73 सीपीयू और एआरएम माली-जी52 एमसी1 जीपीयू शामिल है। सॉफ्टवेयर के लिए, यह कलरओएस टीवी 2.0 को चीन में अग्रणी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के समर्थन के साथ चलाता है, ज़िआओबु (ब्रीनो) वॉयस असिस्टेंट को दूर-क्षेत्र के माइक्रोफोन, एनएफसी- सक्षम रिमोट कंट्रोल के माध्यम से चलाता है।

एप्पल आईफोन 12, आईफोन 12 प्रो की साउंड समस्या को फ्री में करेगा रिपेयर

सैन फ्रांसिस्को।

एप्पल ने घोषणा की है कि वह आईफोन 12 और आईफोन 12 प्रो मॉडल की मुफ्त में रिपेयर करेगा, जो साउंड इशू से जूझ रहे हैं। एक नए बुलेटिन में, क्यूपर्टिनो-आधारित टेक दिग्गज ने कहा कि आईफोन 12 और आईफोन 12 प्रो का बहुत छोटा प्रतिशत रिसीवर के साथ समस्याओं का सामना कर रहा है। अभी तक, यह समस्या केवल आईफोन 12 और आईफोन 12 प्रो वेरिएंट में आ रही है, न कि आईफोन 12 मिनी और आईफोन 12 प्रो मैक्स में। ऐप्पल उपयुक्त डिवाइस मालिकों को चुनने के लिए तीन विकल्प दे रहा है और नोट करता है कि किसी भी रिपेयर कार्य को वास्तव में शुरू करने से पहले प्रभावित उपकरणों की जांच की जाएगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी फोन मुफ्त रिपेयर कार्यक्रम के लिए योग्य हैं। विकल्पों में एक अधिकृत एप्पल सेवा प्रदाता खोजना शामिल है। कोई पास के एप्पल स्टोर पर सर्विस अपॉइंटमेंट ले सकता है। अंत में, यूजर्स सीधे ऐप्पल की सहायता टीम से संपर्क कर सकते हैं ताकि आईफोन ब्रांड को मेल करने की व्यवस्था की जा सके।

28 नवंबर को पहली शॉपिंग लाइवस्ट्रीम आयोजित करेगा ट्विटर

सैन फ्रांसिस्को।

माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर 28 नवंबर को अपनी पहली शॉपिंग लाइवस्ट्रीम की मेजबानी कर रही है। कंपनी ने इसकी घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि ट्विटर पर लाइव शॉपिंग स्ट्रीम देखने के दौरान लोग कई ऐसे कदम उठा सकते हैं जो ट्विटर पर खरीदारी के अनुभव को सहज बनाते हैं। एक ब्लॉगपोस्ट में कंपनी ने कहा, हम वॉलमार्ट के सहयोग से लाइव शॉपिंग का अपना पहला परीक्षण कर रहे हैं, जहां वे गायक, गीतकार, डांसर और सोशल मीडिया सुपरस्टार जेसन डेरुलो के साथ ट्विटर पर पहली बार खरीदारी करने योग्य लाइवस्ट्रीम के लिए साइबर वीक की शुरूआत करेंगे। कंपनी ने आगे कहा, रविवार, 28 नवंबर को शाम 7 बजे से, लोग वॉलमार्ट (आईओएस और डेस्कटॉप पर) से देख और खरीदारी कर सकते हैं, जहां जेसन इलेक्ट्रॉनिक्स, घरेलू सामान, परिधान, मौसमी सजावट, विशेष मेहमानों को आश्चर्यचकित करने वाले 30 मिनट के विभिन्न प्रकार के शो की मेजबानी करेगा। ट्विटर पर लाइवस्ट्रीमिंग व्यवसायों को अपने सबसे प्रभावशाली प्रशंसकों के साथ जुड़ने की शक्ति देता है और इस अनुभव में खरीदारी करने की क्षमता को जोड़ना ग्रहणशील दर्शकों को आकर्षित करने और उनसे जुड़ने का एक स्वाभाविक विस्तार है। कंपनी ने कहा, इस साल की शुरुआत में, हमने चुनिंदा ब्रांडों के साथ शॉप मॉड्यूल का परीक्षण शुरू किया और हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हम आने वाले हफ्तों में इसे अमेरिका में और अधिक व्यापारियों के लिए लॉन्च करेंगे। कंपनी ने कहा, ट्विटर पर व्यापारियों के हमारे वैश्विक समुदाय का समर्थन करने के लिए मूलभूत उत्पादों का निर्माण करना महत्वपूर्ण है, इसलिए हम ट्विटर शॉपिंग मैनेजर के माध्यम से मर्चेंट ऑनबोडिंग और उत्पाद कैटलॉग प्रबंधन टूल को हाउस करने के लिए एक नए तरीके का परीक्षण भी शुरू करेंगे।

ऑनलाइन गांजा बिक्री मामले में अमेजन पर गिरी गाज, कंपनी के अधिकारियों के खिलाफ FIR दर्ज

नई दिल्ली।

बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों में शुमार अमेजन के कार्यकारी निदेशकों पर भिंड पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। अमेजन ने हाल ही में गांजे की होम डिलीवरी की थी। इसे लेकर गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने नाराजगी भी जताई थी। उन्होंने अमेजन प्रबंधन से सहयोग करने की अपील भी की थी। इस मामले में पुलिस अभी तक चार लोगों को आरोपी बना चुकी है। भिंड पुलिस के मुताबिक अमेजन के कार्यकारी निदेशकों के खिलाफ मामला जिले के गोहद थाने में दर्ज किया गया है। सभी को एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपी बनाया गया है। गौरतलब है कि भिंड पुलिस ने कुछ दिनों पहले गांजे की होम डिलीवरी के मामले में गोहद चौराहा छीमका निवासी पिंटू उर्फ ब्रजेंद्र सिंह तोमर और आजाद नगर, ग्वालियर निवासी सूरज और कल्लू पवैया को गिरफ्तार किया था।

आरोपी सप्लाई कर चुके हैं 1 टन से ज्यादा गांजा

पुलिस ने गोहद चौराहा निवासी पिंटू उर्फ बिजेंद्र तोमर और ग्वालियर निवासी सूरज उर्फ कल्लू पवैया के कब्जे से 21 किलो 734 ग्राम गांजा बरामद किया है। इस मामले में ग्वालियर के मुकुल जायसवाल और मेहगांव निवासी चित्रा वाल्मीकि को भी गिरफ्तार किया गया था। ये लोग करी पत्ते की आड़ में अमेजन पर भांग की तस्करी करते थे। पुलिस ने अमेजन पैकिंग कैन, रैपर, बारकोड टैगिंग आदि सहित लगभग 22 किलो गांजा जब्त किया है।

अमेजन के अधिकारियों से संतुष्ट नहीं है पुलिस

गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के दौरान पुलिस को मिली जानकारी के आधार पर अमेजन के अधिकारियों से पूछताछ की गई। पता चला कि सूरज उर्फ कल्लू पवैया और मुकुल जायसवाल ने बाबू टेक्स नाम की फर्जी कंपनी बनाई थी। बाद में एएसएसएल को अमेजन कंपनी में सेलर के तौर पर रजिस्टर कर विशाखापत्तनम से अपने ग्राहकों को स्टीविया के रूप में गांजा सप्लाई किया जाता था। पुलिस का यह भी कहना है कि अमेजन की ओर से मुहैया कराए गए दस्तावेजों और जांच में सामने आए दस्तावेजों में अंतर है। इस कारण एएसएसएल अमेजन कंपनी के कार्यकारी निदेशकों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 38 के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें आरोपी बनाया गया है।

माटर ने पेट्रोल को पछाड़ा, दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में दाम 100 के पार

बिजनेस डेस्क:

देश में टमाटर की कीमतों ने पेट्रोल को पीछे छोड़ दिया है। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में टमाटर के भाव 100 से 120 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए हैं। टमाटर के सबसे बड़े उत्पादक आंध्र प्रदेश में इसकी कीमत 100 रुपए तक पहुंच गई है। चेन्नई में भी टमाटर की कीमतें चढ़ी हुई हैं और 140 रुपए प्रति किलो के आस-पास बिक रहा है। थोक कारोबारियों के मुताबिक, सर्दियों के मौसम में टमाटर 20 रुपए प्रति किलो के आस-पास रहता था, लेकिन लेकिन आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु में असामान्य बारिश के बाद बाढ़ से काफी फसल बर्बाद हो गई है और दाम आसमान छू रहे हैं। टमाटर ही नहीं प्याज और अन्य हरी सब्जियों के दाम भी तेजी से बढ़े हैं। सब्जियों में इस महंगाई को लेकर विपक्षी दलों ने सरकार पर हमले करने भी शुरू कर दिए हैं। आंध्र प्रदेश टमाटर का सबसे ज्यादा पैदावार करने वाला राज्य है, लेकिन बारिश और बाढ़ के बाद टमाटर के दाम उस राज्य में भी कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। बारिश से तो असर पड़ा ही है, साथ ही डीजल की ऊंची कीमतों के कारण भी टमाटर कुछ ज्यादा ही उछला है। आंध्र प्रदेश में सामान्यतया टमाटर 58 हजार से ज्यादा हेक्टेयर इलाके में उत्पादन किया जाता है और राज्य में करीब 27 लाख मीट्रिक टन टमाटर का उत्पादन होता है। चित्तूर के मदनपल्ले टमाटर का सबसे बड़ा बाजार माना जाता है। लेकिन इस साल टमाटर का सबसे ज्यादा उत्पादन करने वाले चित्तूर और अनंतपुर जिलों में बाढ़ का कहर फसलों पर देखने को मिला है। उत्तर भारत में अभी ज्यादातर आपूर्ति महाराष्ट्र के सोलापुर और कर्नाटक के चिकबुल्लापुर से हो रही है। चेन्नई में टमाटर 140 रुपये किलो तक बिक रहा है। थोक कारोबारियों का कहना है कि आपूर्ति में कमी और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म द्वारा जमाखोरी के कारण कीमतें बढ़ी हैं। यहां स्थानीय स्तर पर उत्पादन बेहद कम है और ज्यादातर आंध्र प्रदेश और कर्नाटक से ही खेप आती है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा है, किचन में टमाटर और प्याज पर धारा 144 लागू कर दी गई है। शिमला मिर्च 100-120 रुपये प्रति किलो है और प्याज 50 रुपये में। खेड़ा ने कहा, डीजल पर टैक्स बढ़ाने और कृषि उपकरणों पर जीएसटी लगाने से उत्पादन लागत बढ़ी है। सरकार को यह सोचना चाहिए कि महीने के अंत में आखिर कितना पैसा आम आदमी के पास बचेगा। उन्होंने कहा कि मुफ्त राशन भी इस माह से बंद हो जाएगा। सरकार ने कोविड के बाद महंगाई पर नियंत्रण के लिए कोई तैयारी नहीं की है।

क्रिप्टोकरेंसी को रेगुलेट करने के लिए इसी शीतकालीन सत्र में बिल लाएगी सरकार

नेशवल डेस्क: भारत सरकार संसद के शीतकालीन सत्र में क्रिप्टोकरेंसी (Cryptocurrency) को लेकर एक बिल पेश करने वाली है। इस बिल का नाम 'द क्रिप्टोकरेंसी एंड रेगुलेनशन ऑफ ऑफिशियल डिजिटल करेंसी बिल 2021' है। सरकार का यह फैसला क्रिप्टो फाइनेंस की व्यापक रूपरेखा पर पहली बार संसदीय पैनल चर्चा के एक सप्ताह बाद आया है। इस चर्चा में आम सहमति बनी थी कि क्रिप्टोकरेंसी को रोका नहीं जा सकता है, लेकिन इसे विनियमित किया जाना चाहिए।

29 को शुरू होगा शीतकालीन सत्र

29 नवंबर से शुरू होने वाले शीतकालीन के दौरान क्रिप्टोकरेंसी को विनियमित करने के लिए एक विधेयक संसद में पेश किया जाएगा। आधिकारिक डिजिटल मुद्रा विधेयक, 2021 का क्रिप्टोकरेंसी और विनियमन, कुल 26 विधेयकों में से एक है, जिन्हें पेश करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। क्रिप्टोकरेंसी को लेकर संसद में विधेयक पेश करने का फैसला लेने से पहले केंद्र सरकार ने इसे लेकर कई बैठकें की थीं। ये बैठकें देश में क्रिप्टोकरेंसी के इस्तेमाल के लिए जरूरी फ्रेमवर्क तैयार करने के लिए और इससे संबंधित चुनौतियों का समाधान ढूंढने के लिए आयोजित की गई थीं। क्रिप्टोकरेंसी को लेकर केंद्र का रुख खास सकारात्मक नहीं दिखा है।

रामायण एक्सप्रेस में वेटर के ड्रेस के भगवा रंग और पहनावे पर था विवाद, रेलवे ने किया बदलाव

नई दिल्ली/उज्जैन:

रामायण एक्सप्रेस ट्रेन में सवार वेटर की भगवा पोशाक पर आपत्ति जताते हुए मध्य प्रदेश के उज्जैन के साधु-संतों द्वारा इस ट्रेन को 12 दिसंबर को दिल्ली में रोकने की धमकी दिये जाने के कुछ ही घंटों बाद सोमवार को 'इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड' (आईआरसीटीसी) ने ट्विटर पर ऐलान किया कि इस ट्रेन के वेटर की पोशाक अब भगवा नहीं होगी।

इसे बदलकर अब वेटर की परंपरागत पोशाक कर दी गई है। आईआरसीटीसी ने मीडिया की इस खबर को अपनी वेबसाइट पर जारी करने वाले एक मीडिया चैनल को रिट्वीट कर कहा, ''सूचित किया जाता है कि इन वेटरों की पोशाक को पूरी तरह से बदलकर अब वेटर की पेशेवर पोशाक कर दिया गया है।' रामायण एक्सप्रेस ट्रेन में सवार वेटर की भगवा पोशाक पर आपत्ति जताते हुए उज्जैन के साधु-संतों ने सोमवार सुबह को कहा था कि यह हिंदू धर्म का अपमान है और धमकी दी कि अगर यह ड्रेस बदली नहीं गई तो वे 12 दिसंबर को दिल्ली में इस ट्रेन को रोकेंगे। उज्जैन अखाड़ा परिषद के पूर्व महामंत्री अवधेशपुरी ने मीडिया से कहा, ''हमने दो दिन पहले केंद्रीय रेल मंत्री को पत्र लिखकर रामायण एक्सप्रेस ट्रेन में वेटर द्वारा भगवा ड्रेस में जलपान और भोजन परोसने के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। साधु-संतों जैसे भगवा कपड़े और रुद्राक्ष की माला पहन कर इस ट्रेन में वेटर द्वारा यात्रियों को जलपान और भोजन परोसना हिंदू धर्म और उसके संतों का अपमान है।'

उन्होंने कहा कि अगर वेटर की भगवा ड्रेस बदली नहीं गई तो दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन पर साधु-संत इस ट्रेन को 12 दिसंबर को रोकेंगे। उन्होंने कहा, ''हम रेलवे पटरियों पर बैठेंगे। हिंदू धर्म की रक्षा के लिए यह जरूरी है। हमने उज्जैन में इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाया है।'

उज्जैन शहर में भगवान शिव का श्री महाकालेश्वर मंदिर है और यहां हर 12 साल में सिंहस्थ कुंभ मेला लगता है। देश की पहली रामायण सर्किट ट्रेन सात नवंबर को सफदरजंग रेलवे स्टेशन से तीर्थयात्रियों को लेकर 17 दिन के सफर पर रवाना हुई थी। यह ट्रेन भगवान राम के जीवन से जुड़े 15 स्थानों पर जाती है।

रिवर्स इनवर्ड हिंज के साथ आ सकता है रियलमी जीटी फोल्ड 2

बीजिंग।

रियलमी कथित तौर पर फोल्डेबल स्मार्टफोन बाजार में रियलमी जीटी फोल्ड 2 लॉन्च करने की योजना बना रहा है, जिसमें रिवर्स इनवर्ड हिंज है। एक विश्वसनीय लीकस्टर आइस यूनिवर्स के अनुसार, इमेजिस दो 50एमपी शूटर और 6.5-इंच कवर एमोएलईडी स्क्रीन के साथ एक कैमरा सेटअप दिखाती हैं। जीएसएमअरेना की रिपोर्ट के अनुसार, अनफोल्डेड, डिवाइस नीचे दाईं ओर यूएसबी-सी पोर्ट के साथ 8-इंच एमोएलईडी टैबलेट बन जाता है। ऊपरी दाएं कोने में एक और कैमरा होगा। अन्य प्रतिस्पर्धी ब्रांड जैसे ओप्पो, वीवो, शाओमी और ऑनर सभी इस साल के अंत तक या अगले एक की शुरुआत में लगभग 17 मिलियन यूनिट की कुल मात्रा के साथ फोल्डेबल रेस में प्रवेश करेंगे। सीईओ स्काई ली ने खुलासा किया कि रियलमी भी हाई-एंड स्मार्टफोन बाजार में आगे बढ़ने के लिए तैयार है। ब्रांड ने बजट और मिड-रेंज स्मार्टफोन सेगमेंट में प्रमुख खिलाड़ियों में से एक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। इस साल की शुरुआत में, रियलमी ने अपनी जीटी सीरीज की रिलीज के साथ फ्लैगशिप किलर सेगमेंट में सफलतापूर्वक प्रवेश किया। संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने एक ट्वीट के माध्यम से अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट में शीर्ष स्मार्टफोन ब्रांडों के साथ प्रतिस्पर्धा करने की कंपनी की योजना का खुलासा किया है।

लावा ने की प्रत्येक अग्नि 5जी यूजर के लिए समर्पित सेवा प्रबंधक की घोषणा

नई दिल्ली।

घरेलू स्मार्टफोन ब्रांड लावा ने मंगलवार को प्रत्येक अग्नि 5जी स्मार्टफोन उपयोगकर्ता के लिए यदि आवश्यक हो तो किसी भी समस्या के निवारण के लिए एक समर्पित सेवा प्रबंधक की घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि स्मार्टफोन यूजर्स के पास डोरस्टेप सेवाओं तक भी पहुंच होगी, जिसमें, लावा सेवा प्रतिनिधि पंजीकृत ग्राहक पते से फोन एकत्र करेंगे और आवश्यक सेवा के बाद उन्हें उत्पाद वापस दे देंगे। लावा इंटरनेशनल लिमिटेड के ग्राहक सेवा प्रमुख सत्या सती ने कहा, लावा अग्नि मित्र, हमारे 800 प्लस सेवा केंद्रों के साथ-साथ हमारे सभी अग्नि ग्राहकों के लिए सबसे पारदर्शी और साथ ही सबसे निर्बाध सेवा अनुभव सुनिश्चित करेगा। लावा इंटरनेशनल लिमिटेड के ग्राहक सेवा प्रमुख सत्या सती ने कहा, लावा अग्नि मित्र, हमारे 800 प्लस सेवा केंद्रों के साथ-साथ हमारे सभी अग्नि ग्राहकों के लिए सबसे पारदर्शी और साथ ही सबसे निर्बाध सेवा अनुभव सुनिश्चित करेगा।

लावा अग्नि 5जी की कीमत 19,999 रुपये है और यह मीडियाटेक के लेटेस्ट चिपसेट डायमेंशन 810 द्वारा संचालित है, जिसमें 90 हट्र्ज रिफ्रेश रेट वाला 6.78 इंच का एफएचडी प्लस आईपीएस पंच होल डिस्प्ले है और यह 8 जीबी रैम प्लस 128 जीबी रोम स्टोरेज के साथ आता है। स्मार्टफोन में 64एमपी का प्राइमरी कैमरा और 16एमपी के फ्रंट कैमरे के साथ 30 वॉट फास्ट चार्जर के साथ 5,000 एमएएच की बैटरी दी गई है।

पोकेमॉन गो डेवलपर नियांटिक ने 9 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन पर 300 मिलियन डॉलर जुटाए

सैन फ्रांसिस्को।

पोकेमॉन गो गेम डेवलपर नियांटिक ने वैश्विक निवेश प्रबंधक कोट्यू से 9 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर 30 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। नियांटिक ने कहा कि वह वर्तमान गेम और नए ऐप्स में निवेश करने, लाइटशिप डेवलपर प्लेटफॉर्म का विस्तार करने और रियल-वर्ल्ड मेटावर्स के लिए अपने दृष्टिकोण का निर्माण करने के लिए धन का उपयोग करेगा। नियांटिक के संस्थापक और सीईओ जॉन हैंके ने कहा, हम एक ऐसे भविष्य का निर्माण कर रहे हैं जहां वास्तविक दुनिया डिजिटल निर्माण, मनोरंजन और सूचना के साथ आच्छादित है, इसे और अधिक जादुई, मजेदार और सूचनात्मक बना रही है। इस महीने की शुरुआत में, नियांटिक ने लाइटशिप प्लेटफॉर्म लॉन्च किया, जो दुनिया भर के डेवलपर्स को संवर्धित वास्तविकता और रियल-वर्ल्ड मेटावर्स के लिए अपने दृष्टिकोण को साकार करने में सक्षम बनाता है। लाइटशिप प्लेटफॉर्म नियांटिक के अपने उत्पादों की नींव है, जो कि इनग्रेड प्राइम और पोकेमॉन गो जैसे शीर्षकों को विकसित करने और चलाने के वर्षों के अनुभव पर बनाया गया है। कोट्यू के एक जनरल पार्टनर मैट माजेओ ने कहा, नियांटिक दुनिया के 3डी मानचित्र के आधार पर एआर के लिए एक मंच का निर्माण कर रहा है, जो हमें विश्वास है कि कंप्यूटिंग में अगले संक्रमण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पोकेमॉन गो और इनग्रेड सहित, लाखों लोग हर महीने नियांटिक गेम खेलते हैं। कंपनी ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में, हमारे खिलाड़ी 17.5 बिलियन किलोमीटर (10.9 बिलियन मील) से अधिक चल चुके हैं। पिछले महीने, नियांटिक और निन्टेंडो ने एक स्मार्टफोन ऐप, पिक्मिन ब्लूम लॉन्च किया, जिसे पैदल यात्रा में थोड़ी खुशी लाने के लिए डिजाइन किया गया था।

मिताली अपने स्थान पर बरकरार, झूलन पहुंची दूसरे स्थान पर

दुबई । भारतीय कप्तान मिताली राज ने मंगलवार को यहां जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में अपना तीसरा स्थान बरकरार रखा है जबकि उनकी हमवतन अनुभवी खिलाड़ी झूलन गोस्वामी गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर कायम हैं। महिला बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मिताली 738 अंक के साथ दक्षिण अफ्रीका की लिजेल ली (761) और आस्ट्रेलिया की एलिसा हीली (750) से पीछे हैं। एक अन्य भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना 710 अंक के साथ छठे स्थान पर बनी हुई हैं। गेंदबाजों की सूची में झूलन (727) शीर्ष पर चल रही आस्ट्रेलिया की जेस योनासेन (760) के बाद दूसरे स्थान पर हैं। रविवार को जिंबाब्वे में आईसीसी महिला विश्व कप क्वालीफायर में बांग्लादेश के खिलाफ 24 रन देकर दो विकेट चटकाने वाली पाकिस्तान की बाएं हाथ की स्पिनर नाशरा संधू चार स्थान के फायदे से 17वें पायदान पर पहुंच गई हैं। बांग्लादेश के बल्लेबाजों को फायदा हुआ है। फरगाना हक और रुमाना अहमद आगे बढ़ने में सफल रहे हैं। फरगाना ने 90 गेंद में 45 रन की पारी खेलकर बांग्लादेश की जीत की नींव रखी और वह एक पायदान के फायदे से 25वें स्थान पर हैं। नाबाद 50 रन की पारी खेलने वाली रुमाना पांच पायदान की छलांग लगाकर 29वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

पिछले 38 साल से कानुपर के ग्रीनपार्क में नहीं हारा है भारत, जीते हैं कई ऐतिहासिक मैच

कानपुर ।

गंगा तट पर स्थित कानपुर का हरियाला ग्रीनपार्क मैदान भारतीय टीम के लिए कुल मिलाकर भाग्यशाली साबित हुआ है जहां न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृखंला का पहला मैच 25 नवंबर को खेला जाएगा। वर्ष 1952 से लेकर अब तक भारतीय टीम ने ग्रीनपार्क में कुल 22 टेस्ट मैच खेले है जिसमें भारत को सात में जीत मिली है जबकि तीन में उसे हार का स्वाद चखना पड़ा है जिसमें दो में उसे वेस्टइंडीज ने और एक में इंग्लैंड ने हराया है। शेष 12 मैचों में हार जीत का फैसला नहीं हो सका। जीत की बात की जाए तो भारतीय टीम ने यहां दो-दो बार ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका को हराया है जबकि 2009 में टीम को श्रीलंका के खिलाफ पारी और 144 रन से जीत हासिल हुयी थी। ग्रीनपार्क मैदान पर एक पारी में सर्वश्रेष्ठ स्कोर का रिकार्ड भी भारत के पास है। वर्ष 1986 में भारतीय टीम ने श्रीलंका के खिलाफ सात विकेट पर 676 रन बनाए थे हालांकि यह टेस्ट हार जीत के फैसले के बिना समाप्त हुआ था। एक दिवसीय मैचों में भी ग्रीनपार्क पर भारत का सिक्का चला है। 2017 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए। वनडे में भारत ने यहां 337 रनो का पहाड़ खड़ा किया था और जीत हासिल की थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ अब तक खेले गए तीन मैचों में भारत के पक्ष में दो मुकाबले रहे है जबकि एक ड्रा रहा है। वर्ष 2004 में भारत ने न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराया था जबकि 2016 में 500वें टेस्ट में भारतीय टीम को 197 रनों से जीत का तोहफा इसी मैदान पर मिला था। न्यूजीलैंड की टीम ने इस मैदान पर एकमात्र एक दिवसीय मैच खेला है जिसमें उसको छह रन से सनसनीखेज हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि 25 नवंबर से यहां शुरू होने वाले टेस्ट मैच में अधिकरतर भारतीय खिलाड़ियों के लिए यह नया मैदान होगा मगर रिकार्ड के लिहाज से भारतीय टीम बढ़े हुए मनोबल के साथ मैदान पर जीत के सिलसिले को बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। कानपुर के क्रिकेट प्रेमी दर्शकों को हालांकि नियमित भारतीय कप्तान और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, रोहित शर्मा के दर्शन नहीं होंगे जिन्हे पहले टेस्ट में विश्राम दिया गया है मगर कप्तान अजिंक्य रहाणे और मध्यक्रम की रीढ़ चेतेश्वर पुजारा के लिए यह टेस्ट मैच खोई फार्म को दोबारा पाने का बेहतरीन मौका होगा वहीं कोच मिस्टर भरोसेमंद राहुल द्रविड़ का भरोसे पर खरा उतरने की जिम्मेदारी पदार्पण कर रहे श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल को कंधों पर होगी। हालांकि इसके लिए उन्हे अभी अंतिम 11 में स्थान मिलने का इंतजार करना होगा। इस बीच मंगलवार को मेहमान टीम सुबह के सत्र में अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया जबकि दोपहर दो बजे से भारतीय टीम नेट प्रैक्टिस करेगी।

भारत-न्यूजीलैंड : भारत की टेस्ट टीम में केएल राहुल की जगह लेंगे सूर्यकुमार यादव

कानपुर।

टीम इंडिया के बल्लेबाज केएल राहुल की बाई जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने मंगलवार को एक बयान में कहा, अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीरीज की तैयारी के लिए अब वह एनसीए में रिहैबिलिटेशन से गुजरेंगे। अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने केएल राहुल की जगह सूर्यकुमार यादव को नामित किया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट 25 नवंबर से कानपुर में शुरू होगा।

भारत की टेस्ट टीम :

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा (उप-कप्तान), शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), केएस भारत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, अक्षर पटेल, जयंत यादव, इशांत शर्मा, उमेश यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्ण।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह का निमंत्रण स्वीकार किया

बीजिंग ।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने का चीन के अपने समकक्ष और 'अच्छे मित्र% शी जिनपिंग का आमंत्रण स्वीकार कर लिया है। इससे कुछ दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा था कि वह चीन के मानवाधिकार उल्लंघन को देखते हुए इन खेलों के कूटनीतिक बहिष्कार की योजना बना रहे हैं। पुतिन अगले साल फरवरी में शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह के लिए बीजिंग आएंगे और वह 2019 में मध्य चीन के वुहान प्रांत में कोविड-19 महामारी फैलने के बाद जिनपिंग से आमने सामने की बैठक करने वाले पहले राष्ट्राध्यक्ष होंगे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने मंगलवार को यहां प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि चीन और रूस के बीच बड़ी प्रतियोगिताओं में एक साथ जश्न मनाने की परंपरा है। 2014 में शी ने रूस के सोच्चि में शीतकालीन ओलंपिक उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया था। अब राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपने अच्छे मित्र पुतिन को बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने खुशी के साथ निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। लिजियान ने कहा कि दोनों देश दौरे को लेकर एक दूसरे के करीबी संपर्क में हैं। हमारा विश्वास है कि यह एक बार फिर चीन और रूस की साझेदारी को दर्शाता है जो सर्वश्रेष्ठ हित के लिए एक-दूसरे की मदद करते हैं। हम उम्मीद और विश्वास है कि दोनों देशों के खिलाड़ी नए रिकॉर्ड बनाएंगे और शानदार तथा सुरक्षित ओलंपिक के आयोजन में हम नए योगदान देंगे।

ओलंपिक पदक विजेता सिंधु फिर लड़ेंगी बीडब्ल्यूएफ एथलीट आयोग का चुनाव

कुआलालंपुर।

दो बार की ओलंपिक खेलों की पदक विजेता और स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु 17 दिसंबर को स्पेन के ह्यूएलवा में होने वाले बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) एथलीट आयोग के चुनाव में फिर से लड़ेंगी।

बीडब्ल्यूएफ ने एक बयान में कहा, विश्व चैंपियन और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पुसरला वी. सिंधु फिर से चुनाव के लिए खड़े होने वाली एकमात्र एथलीट आयोग की सदस्य हैं। उपलब्ध छह पदों के लिए नौ उम्मीदवारों को नामित किया गया है।सिंधु अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं है और पिछले हफ्ते सेमीफाइनल में इंडोनेशिया मास्टर्स से बाहर हो गई थी, एकतरफा मैच में जापान की अकाने यामागुची से हार गई थी। महिला युगल विशेषज्ञ और टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता इंडोनेशिया की ग्रेसिया पोली भी चुनाव लड़ रही हैं। पोली ने अपने नामांकन के बाद कहा, मैं अपने साथी खिलाड़ियों को उनके सपनों को हासिल करने में मदद करना चाहती हूं और अंतर्राष्ट्रीय सर्किट पर प्रतिस्पर्धा करने के उनके अनुरोधों के साथ उनकी मदद करना चाहती हूं।

संक्षिप्त समाचार

मनप्रीत और श्रीजेश ने भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के खिताब डिफेंड करने का किया दावा

भुवनेश्वर । भारतीय सीनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान एवं अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के एक अभ्यास मैच में उनकी टीम को हराने के बाद कहा कि डिफेंडिंग हॉकी जूनियर विश्व विजेता भारतीय टीम इस साल भी अपना खिताब डिफेंड कर सकता है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीत में भारतीय पुरुष हॉकी टीम का नेतृत्व मनप्रीत सिंह ने मंगलवार को एक बयान में कहा, 'जूनियर टीम ने हमें एक अभ्यास में हराया। मुझे पूरा भरोसा है कि उनके पास फाइनल में पहुंचने की क्षमता है और अगर जूनियर टीम के खिलाड़ी पूरे टूर्नामेंट में एक टीम के रूप में खेलना जारी रखते हैं तो वे ट्रॉफी जीत सकते हैं। उल्लेखनीय है कि अपने खिताब को डिफेंड करने को देख रही भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2021 के लिए मनप्रीत और अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश जैसे सीनियर भारतीय खिलाड़ियों की निगरानी में है। मनप्रीत ने गतिशील मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद को दी गई सलाह के बारे में भी बताया है, जो टूर्नामेंट में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। उन्होंने हॉकी इंडिया को दिए एक बयान में कहा, 'मैंने कई बार विवेक से बात की है। मैंने उनसे कहा है कि उनके लिए मुख्य बात एक टीम के रूप में बने रहना है। जीत और हार खेल का हिस्सा है, लेकिन जब हम हारते हैं तो उंगलियां उठती हैं, यह एक ट्रेंड है, पर मैंने उनसे कहा है कि टीम को इसकी चिंता नहीं करनी चाहिए और सिर्फ अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। इससे आपको हर मैच जीतने में मदद मिलेगी। श्रीजेश ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी विश्व कप में प्रशंसकों को मिस करेंगे, लेकिन प्रतिष्ठित कलिंग स्टेडियम में खेलना युवा टीम के लिए सीखने का अच्छा अनुभव होगा।

अपनी गलतियों को समझना और उनसे सीखना मैच जीतने के लिए महत्वपूर्ण है : बाबर आजम

स्पोर्ट्स डेस्क । पाकिस्तान तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में मेजबान टीम का सफाया करने के लिए बांग्लादेश पर हावी रहा। इस प्रकार टीम के कप्तान बाबर आजम ने सीरीज में टीम के प्रदर्शन के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि टीम ने खेल के कुछ पहलुओं में सुधार किया है और अपनी गलतियों को समझना और उनसे सीखना मैच जीतने के लिए महत्वपूर्ण है। बाबर आजम ने कहा, अपनी गलतियों को समझना और उनसे सीखना मैच जीतने के लिए महत्वपूर्ण है। हाल के महीनों में टीम के क्षेत्ररक्षण प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ है और निचले-मध्य क्रम ने भी हमें मैच जीताए हैं। हालांकि क्रिकेट अच्छे और बुरे दिनों वाला खेल है और टीम को लगातार कड़ी मेहनत करनी चाहिए। टाइगर्स के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज में पाकिस्तान के कप्तान अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं थे।

हैरान हूं, भारत ने कोहली को पहले टेस्ट में आराम क्यों दिया : स्मिथ

ऑकलैंड।

न्यूजीलैंड के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज इयान स्मिथ भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के टेस्ट कप्तान विराट कोहली को केन विलियम्सन की अगुवाई वाली टीम के खिलाफ शुरुआती मैच में आराम दिए जाने के फैसले से खुश नहीं हैं। मैच कानपुर में 25 नवंबर से होगा। विराट को पहले टेस्ट के लिए आराम दिया गया है और उनकी अनुपस्थिति में अजिंक्य रहाणे टीम का नेतृत्व करेंगे, जबकि नियमित कप्तान 3 दिसंबर से मुंबई में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए वापसी करेंगे। ब्लैक कैप्स के लिए 63 टेस्ट खेल चुके 60 वर्षीय स्मिथ ने 1800 से अधिक रन बनाए हैं, वह भी रोहित शर्मा को दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए आराम दिए जाने से नाखुश हैं। स्मिथ ने मंगलवार को सेन डॉट कॉम डॉट एयू से कहा, भारत ने कोहली और शर्मा को बाहर कर दिया है, यह वास्तव में मुझे हैरान करता है कि इन दिनों टेस्ट क्रिकेट में लोगों को आराम दिया जा रहा है। यह मुझे बहुत निराश करता है। स्मिथ ने कहा कि उपमहाद्वीप की पिचों की प्रकृति को देखते हुए न्यूजीलैंड को कानपुर टेस्ट में तीन स्पिनरों को खिलाना चाहिए। उन्होंने उन ग्यारह खिलाड़ियों के नाम भी बताए, जिन्हें वह कप्तान केन विलियम्सन को शुरुआती टेस्ट में मैदान में देखना चाहते हैं। स्मिथ ने कहा, आपके पास (नील) वैगनर होना चाहिए, इसलिए कि जब आप मुसीबत में हों, तो वह कोशिश कर सकते हैं और अपनी सहनशक्ति के साथ आपको इससे बाहर निकाल सकते हैं।

न्यूजीलैंड के लिए स्मिथ के इलेवन : टॉम लैथम, विल यंग, केन विलियमसन, रॉस टेलर, हेनरी निकोल्स, टॉम ब्लंडेल, रचिन रवींद्र, विलियम सोमरविले, एजाज पटेल, काइल जैमीसन, नील वैगनर।

रहाणे लय हासिल करने से सिर्फ एक पारी दूर : पुजारा

कानपुर। भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने मंगलवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले अजिंक्य रहाणे का समर्थन करते हुए कहा कि स्टैंड-इन कप्तान एक महान क्रिकेटर हैं और अपनी लय वापस पाने से सिर्फ एक पारी दूर हैं।पुजारा ने अपने स्वयं के मानकों के अनुसार बल्ले से एक सामान्य वर्ष बिताया है, यहां वह 25 नवंबर को विश्व टेस्ट चैंपियन के खिलाफ पहले मैच में रहाणे के डिप्टी होंगे। रहाणे का 11 टेस्ट में सिर्फ 19 से अधिक का औसत है और वह अपनी फॉर्म को फिर से हासिल करना चाहेंगे।अपने साथी की खराब पफरेर्मेन्स के बारे में पूछे जाने पर, पुजारा ने एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, रहाणे एक महान खिलाड़ी हैं। ऐसे समय होते हैं जब कोई खिलाड़ी इन दौरों से गुजरता है। वह लय वापस पाने से सिर्फ एक पारी दूर है। उन्हें सीरीज में अच्छे रन मिलेंगे। 2019 से, 33 वर्षीय मुंबई के बल्लेबाज ने 40 टेस्ट खेले हैं और सात अर्धशतक और तीन शतक लगाए हैं। रहाणे कानपुर में श्रृंखला के पहले टेस्ट में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे, जिसमें विराट कोहली दूसरे टेस्ट के लिए लौटेंगे।

सर्वोच्च प्राथमिकता की मानसिकता विश्व कप में सफलता की कुंजी: कप्तान विवेक सागर

भुवनेश्वर । तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे और वर्तमान में भारतीय जूनियर हॉकी टीम के कप्तान विवेक सागर प्रसाद का मानना है कि एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) जूनियर विश्व कप खिताब के बचाव के लिए खिलाड़ियों में टीम को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। भारतीय टीम पूल बी में फ्रांस के खिलाफ बुधवार को जूनियर हॉकी विश्व कप के पहले मुकाबले में उतरेगी। 16 देशों के इस टूर्नामेंट का आयोजन यहां के कलिंगा स्टेडियम में किया जा रहा है। प्रसाद ने कहा कि वह टीम के साथी खिलाड़ियों को तोक्यो ओलंपिक के अनुभव के बारे में बताएंगे। हमने सीनियर टीम के खिलाफ कुछ अभ्यास मैच खेले हैं। वह अनुभव मददगार होगा। किसी भी टूर्नामेंट में शुरुआती मैच हमेशा महत्वपूर्ण होता है। सीनियर टीम के साथ रहने के दौरान, मैंने बड़े मंच पर कई सबक सीखे हैं जैसे टीम हमेशा पहले आती है। मेरा काम टीम को एक साथ रखना और जितना हो सके ओलंपिक अनुभव को आगे बढ़ाना होगा। भारतीय पुरुष हॉकी के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा कि उनका काम सिर्फ जूनियर टीम के कोच बीजे करियप्पा की मदद करना था, जो पिछले डेढ़ साल से युवाओं के साथ हैं।

पुजारा ने द्रविड़ की सराहना करते हुए कहा, हम सभी उनके मार्गदर्शन का इंतजार कर रहे हैं

कानपुर।

भारत के टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने सोमवार को राहुल द्रविड़ की तारीफ करते हुए कहा कि नवनियुक्त मुख्य कोच के विशाल अनुभव से निश्चित तौर पर टीम को फायदा होगा। भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी हार का बदला लेने की कोशिश करेगा, जब वह गुरुवार से कानपुर में पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा। हाल ही में तीन मैचों की टी-20 सीरीज में न्यूजीलैंड पर भारत की क्लीन स्वीप के बाद द्रविड़ ने टेस्ट टीम की कमान भी संभाल ली है। पुजारा के अनुसार, पूर्व भारतीय कप्तान, जिन्होंने भारत के लिए 164 टेस्ट खेले हैं, युवा खिलाड़ियों के साथ काफी मार्गदर्शन साझा करेंगे। उन्होंने कहा, इससे ज्यादातर खिलाड़ियों को मदद मिलेगी, खासकर युवा खिलाड़ियों को, जिन्होंने अंडर-19 और भारत-ए के दिनों में राहुल भाई के साथ काम किया है। यहां तक कि हम जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने भी राहुल भाई के साथ खेला है। पुजारा ने टीम के प्रशिक्षण सत्र से पहले वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैंने ए सीरीज के दौरान उनके साथ काम किया है, इसलिए हम सभी उनके मार्गदर्शन का इंतजार कर रहे हैं। एक खिलाड़ी और टीम के कोच के रूप में उनके पास जितना अनुभव है, उससे मदद मिलेगी। पुजारा ने आगे खुलासा किया कि युवा शुभमन गिल पहले टेस्ट के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। उन्होंने कहा कि दाएं हाथ का यह बल्लेबाज पदार्पण करने के बाद से अच्छा क्रिकेट खेल रहा है और प्रतिभाशाली खिलाड़ी खेलने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा, इस समय इसका खुलासा नहीं कर सकता। लेकिन देखिए, वह ए क प्रतिभाशाली खिलाड़ी है और निश्चित रूप से वह टीम का हिस्सा होगा। इसलिए, उसके जैसा कोई व्यक्ति, आप जानते हैं कि उसे ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है और जब से उसने पदार्पण किया है, वह कुछ वर्षों से अच्छा क्रिकेट खेल रहा है। पुजारा ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि वह इंग्लैंड में चूक गए, लेकिन वह एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और मुझे नहीं लगता कि व्यक्तिगत रूप से मुझे उसे ज्यादा कुछ बताने की जरूरत होगी।

टिम पेन के साथ हुए व्यवहार से हैरान है क्रिकेट तस्मानिया

होबार्ट।

आस्ट्रेलिया की घरेलू क्रिकेट टीम, क्रिकेट तस्मानिया (सीटी) ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज टिम पेन के साथ किए गए व्यवहार से परेशान है, जिन्होंने हाल ही में एक ऑफ-फील्ड स्कैंडल के बाद स्वेच्छा से टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी। उन्होंने साल 2017 में एक पूर्व सीटी कर्मचारी को टेक्स्ट संदेश भेजे थे। क्रिकेट तस्मानिया के अध्यक्ष एंड्रयू गैगिन ने मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा कि पूर्व टेस्ट कप्तान को कभी भी ऐसी स्थिति में नहीं डालना चाहिए था, जिसमें उन्होंने 8 दिसंबर से ब्रिस्बेन में शुरू होने वाली एशेज से पहले कप्तान के रूप में इस्तीफा दे दिया हो। गैगिन ने मंगलवार को कहा, हाल के दिनों में मैंने जो बातचीत की है, उससे यह स्पष्ट है कि तस्मानियाई क्रिकेट समुदाय और आम जनता में गुस्सा साफ है। टिम पेन पिछले चार वर्षों में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए एक प्रकाशस्तंभ रहा है और केप टाउन की आपदा के बाद राष्ट्रीय टीम की प्रतिष्ठा को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बॉल टैंपरिंग प्रकरण- जिसे सैंडपेपर-गेटस्कैंडल भी कहा जाता है, 2018 में केप टाउन टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की प्रतिष्ठा को बचाने के लिए पेन को टेस्ट कप्तान बनाया गया था। ऑस्ट्रेलिया के तीन खिलाड़ी- तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, उनके डिप्टी डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट को स्कैंडल के मद्देनजर प्रतिबंधित कर दिया गया था। गैगिन ने कहा, फिर भी, ऐसे समय में जब सीए को टिम का समर्थन करना चाहिए था, उन्हें स्पष्ट रूप से अस्वीकार्य माना जाता था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान के साथ किया गया व्यवहार भयावह है और बिल लॉरी के बाद से 50 साल पहले सबसे खराब है। क्रिकेट तस्मानिया बोर्ड ने अपने विचार की पुष्टि की कि पाइन को उस स्थिति में नहीं रखा जाना चाहिए था जहां उन्हें एक घटना पर इस्तीफा देने की आवश्यकता महसूस हुई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डिजिटल दौर में इस तरह बन सकते हैं स्मार्ट वर्कर

फ्री सॉफ्टवेयर और टूल्स की मदद से ऑफिस में न सिर्फ स्मार्ट तरीके से काम कर सकते हैं, बल्कि कीमती समय भी बचा सकते हैं। आज का डिजिटल दौर 'हार्ड वर्क' के बजाय 'स्मार्ट वर्क' का है। कुछ फ्री सॉफ्टवेयर और टूल्स की मदद से आप ऑफिस में न सिर्फ स्मार्ट तरीके से काम कर सकते हैं, बल्कि अपना कीमती समय भी बचा सकते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ सॉफ्टवेयर और टूल्स के बारे में।

पोर्टेबल ऐप्स

अगर आप ऑफिस में डेस्कटॉप का इस्तेमाल करते हैं, तो हो सकता है कि सिक्योरिटी सेटिंग्स की वजह से अपना कीमती समय बचाने के लिए एडिशनल सॉफ्टवेयर, एक्सटेंशन आदि को इंस्टॉल न कर पाएं। ऐसे में सबसे आसान तरीका है पोर्टेबल ऐप्स का इस्तेमाल। इसके लिए www.portableapps.com से इंस्टॉलर अपने यूएसबी फ्लैश ड्राइव में सेव कर सकते हैं। उसके बाद आप इस साइट पर उपलब्ध 300 से अधिक ऐप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन ऐप्स को इंस्टॉल करने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि ये फ्लैश ड्राइव से ही रन करते हैं। आप इसे किसी भी कम्प्यूटर पर एक्सेस कर सकते हैं।

ऐप लॉन्चर्स

अगर आप अपने कम्प्यूटर (विंडोज, मैक या लिनक्स) पर तेज और स्मार्ट तरीके से काम करना चाहते हैं, तो लॉन्ची (www.launchy.net) की मदद ले सकते हैं। यह एक ओपन सोर्स कीस्ट्रोक लॉन्चर है। इसकी मदद से आप कुछ सेकंड में ही अपने प्रोग्राम्स को स्टार्ट कर सकते हैं। यह आपके सभी प्रोग्राम्स, फोल्डर्स और डॉक्यूमेंट्स का ऑटो इंडेक्स शो करता है, इसलिए आप बहुत ज्यादा सोचे बिना ही जान सकते हैं कि आपके प्रोग्राम्स, फोल्डर्स आदि कहां हैं। अगर आप इसका विकल्प चाहते हैं, तो रॉकेटडॉक (www.rocketdock.com) आजमाएं। इसमें आप अपने हिसाब से चीजों को कस्टमाइज कर सकते हैं।

स्पैम सॉल्यूशन

अगर आप लंबे समय से किसी ईमेल सर्विस का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो दिन–प्रतिदिन स्पैम की संख्या भी बढ़ती चली जाती है। स्पैम से छुटकारा पाने के लिए आप अनरोल (www.unroll.me) सर्विस का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपके इनबॉक्स को कुछ ही मिनिट में स्कैन कर देता है। इसके बाद आपको उन ईमेल सब्सक्रिप्शन को दिखाता है, जो आपको लगातार स्पैम भेजते हैं। आप इस सर्विस का इस्तेमाल स्पैम को तत्काल अनसब्सक्राइब करने के लिए कर सकते हैं।

स्मार्ट कीबोर्ड

स्मार्टफोन का इस्तेमल हम कम्युनिकेशन के साथ–साथ कई दूसरे छोटे–मोटे कामों के लिए भी करते हैं, जैसे किसी को ईमेल टाइप करके भेजना आदि। आप चाहें, तो कम्प्यूटर की तरह स्मार्टफोन पर भी तेजी से टाइप कर सकते हैं। एंड्रॉयड और आईओएस के लिए कुछ ऐसे ही थर्ड पार्टी ऐप्स उपलब्ध हैं, जिनकी मदद से आप न सिर्फ अपना कीमती समय बचा सकते हैं, बल्कि आपको बेहतर वर्ड प्रिडिक्शन, स्वाइपिंग टेक्स्ट और कस्टमाइजेबल शॉर्टकट्स की सुविधा भी मिलती है। स्विफ्टकी एंड्रॉयड और आईओएस के लिए उपयोगी कीबोर्ड ऐप है। आप ईमेल और सोशल मीडिया पर कैसे टाइप करते हैं, यह उसे जान लेता है, फिर आपको पर्सनलाइज्ड प्रिडिक्शन ऑफर करता है, जिससे आप तेजी से टाइप कर सकते हैं। इसकी खासियत यह है कि आप अपने हिसाब से इसे रीसाइज भी कर सकते हैं।

फास्ट टाइपिंग

आजकल अधिकतर काम कम्प्यूटर पर ही होते हैं। ऐसे में टाइपिंग की स्पीड अच्छी न हो, तो काम करने में काफी समय लग जाता है। अगर आप अपनी टाइपिंग स्पीड सुधारना चाहते हैं, या फिर टाइपिंग सीखना चाहते हैं, तो कीबर (www. keybr.com) की मदद ले सकते हैं। यह न सिर्फ आपकी टाइपिंग स्पीड को दिखाएगा, बल्कि टाइपिंग के दौरान आपने कितनी गलतियां कीं, उसके बारे में भी बताएगा। इसके अलावा, एक और वेबसाइट है www.typing-web .com जहां टाइपिंग सीखने के लेसंस दिए गए हैं। अगर आप सॉफ्टवेयर के साथ ज्यादा सहज महसूस करते हैं, तो www.nchsoftware.com साइट से कीब्लेज टाइपिंग ट्यूटर सॉफ्टवेयर की मदद ले सकते हैं। यह फ्री सॉफ्टवेयर विंडोज और मैक के लिए उपलब्ध है। यहां पर फिंगर गाइड दिया गया है, जो आपको बताता है कि किस अंगुली की इस्तेमाल किस की के लिए करना है। यहां आप अपनी टाइपिंग स्पीड और एक्यूरेसी की जांच कर सकते हैं।

ई–बिजनेस में बनाएं करियर

ये होनी चाहिए स्किल्स

ई-बिज़नेस ने दुनियाभर के विक्रेताओं और ग्राहकों को एक-दूसरे के नजदीक ला दिया है। जानते हैं कैसे ई-बिजनेस में बढ़िया करियर बनाया जा सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक बिजनेस, जिसे ई–बिजनेस भी कहा जाता है, टेक्नोलॉजी के उपयोग से बिजनेस को बेहतर बनाता है। ई–बिजनेस का विकास काफी तेजी से हो रही है क्योंकि अब ज्यादातर बिजनेस गतिविधियां और लेनदेन इंटरनेट पर किए जाने लगे हैं। ऐसे में इन गतिविधियों के लिए क्वॉलिफाइड प्रोफेशनल्स की जरूरत है।

क्या है ई–बिजनेस?

आज के दौर में इंटरनेट ने उपभोक्ता और बिजनेस के बीच की दूरी को कम करके उनके बीच व्यवहार को आसान बना दिया है। ई–बिजनेस से खरीद–फरोख्त वैश्विक, प्रतिस्पर्धी और आसान बन गई है। एक बिजनेस अगर अपने उत्पादों को ऑनलाइन बेचता और खरीदता नहीं भी है लेकिन अपने बिजनेस से संबंधित गतिविधियां ऑनलाइन करता है, तो भी उसे ई–बिजनेस कहा जाएगा।

कैसी स्किल्स चाहिए?

आप इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में परफेक्ट होने चाहिए। वेबसाइट का लेआउट डिजाइन करने के लिए क्रिएटिविटी जरूरी होती है, इसलिए क्रिएटिव एस्पेक्ट भी वांछित है। ई–बिजनेस की रणनीति में परिवर्तन लाने या उसे रीइवैल्यूएट करने के लिए दूसरों से परामर्श लेते रहें। मार्केट रिसर्च, ऑनलाइन एडवरटाइजिंग, ब्रांडिंग, मीडिया प्लानिंग में भी आपकी रुचि हो।

कौन–से कोर्स?

ई–बिजनेस में कई तरह के कोर्स उपलब्ध हैं और हर कोर्स अलग जरूरत पर फोकस करता है। ये कोर्स ऑनलाइन बिजनेस स्ट्रैटेजी, मार्केटिंग, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, ई–कॉमर्स मैनेजमेंट पर फोकस करते हैं। ये कोर्स ऑनलाइन भी उपलब्ध हैं। ई–बिजनेस का कोर्स करके उम्मीदवार को प्रोडक्ट मैनेजर की पोस्ट भी ऑफर की जाती है। हालांकि यह कंपनी के स्ट्रक्चर पर निर्भर करता है।

एलिजिबिलिटी

बैचलर्स डिग्री प्रोग्राम में एडमिशन लेने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार ने 12वीं 50 प्रतिशत अंकों के साथ पास की हो। कोर्स की अवधि तीन साल होगी। पोस्टग्रेजुएट कोर्स करने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार ने किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएशन किया हो। इस कोर्स की अवधि दो साल की होगी।

पे स्केल

शुरूआती स्तर पर सैलेरी पैकेज ढाई से तीन लाख रुपए प्रति वर्ष के बीच होता है। सैलेरी पैकेज इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप किस संस्थान में और किस पोजिशन पर काम कर रहे हैं।

नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदल सकती है म्यूजिक थेरेपी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों को डिप्रेशन जैसी कई मानसिक समस्याओं से जूझना पड़ता है और म्यूजिक थेरेपी इन सबसे उबरने में मददगार साबित हो सकती है। भारत में म्यूजिक थेरेपी का प्रचलन बहुत ज्यादा तो नहीं है क्योंकि इस पर बहुत खर्च आता है लेकिन इसके असरदार परिणामों को देख अब यह भारत में भी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रही है। म्यूजिक थेरेपी का प्रभाव बहुत गहरा होता है। यह नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदल सकती है। अगर आपको संगीत से प्यार है और आपका बैकग्राउंड भी म्यूजिकल है तो आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। संगीत थेरेपी में विकारों को दूर करने के लिए इंसान के स्वभाव और समस्या के अनुसार संगीत तैयार करना होता है। इसके लिए आर्केस्ट्रा और अन्य कई इक्विपमेंट्स का इस्तेमाल किया जाता है। जैसे–जैसे मरीज की हालत में सुधार आता है संगीत में उसके अनुसार बदलाव किया जाता है। इसके जरिए इलाज के लिए ऐसे संगीत का इस्तेमाल किया जाता है जिससे व्यक्ति को चैन मिल सके। इससे मरीज की निराशा, व्यवहार और भावनात्मक समस्याओं में कमी लाई जा सकती है। म्यूजिक थेरेपी को आजकल डॉक्टर भी बढ़ावा दे रहे हैं क्योंकि यह काम के बोझ के तले दबे लोगों के लिए काफी कारगर साबित हो रही है। यही कारण है कि इंजीनियर, आईटी प्रोफेशनल्स, कॉल सेंटरकर्मियों से लेकर मीडियाकर्मी तक इस थेरेपी का सहारा ले रहे हैं। जहां दवाएं काम नहीं करतीं, वहां संगीत अपना असर दिखा सकता है।

ये हैं कोर्स

हालांकि इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए कोई विशिष्ट योग्यता की आवश्यकता नहीं है लेकिन संगीत थेरेपी में कोई भी कोर्स करने के लिए बारहवीं उत्तीर्ण होना बुनियादी आवश्यकता है। इसके अलावा अगर आपने ये कोर्स किए हुए हों तो इस क्षेत्र में प्रवेश करना आपके लिए और आसान हो जाता है।

एडवांस्ड लेवल म्यूजिक थेरेपी कोर्स
सर्टिफिकेट इन म्यूजिक थेरेपी
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लीनिकल म्यूजिक थेरेपी
प्रोफेशनल पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन म्यूजिक थेरेपी

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

फ्रांस के प्रधानमंत्री जीन कास्टेक्स कोरोना वायरस से संक्रमित, 10 दिन तक रहेंगे पृथक-वासे

पेरिस। फ्रांस के प्रधानमंत्री जीन कास्टेक्स सोमवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। बेल्जियम यात्रा से लौटने के कुछ घंटे बाद ही उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। प्रधानमंत्री के कार्यालय ने बताया कि कास्टेक्स अगले 10 दिन तक पृथक-वास में रहकर अपने काम करते रहेंगे। अधिकारियों ने इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी कि कास्टेक्स को संक्रमण के कोई लक्षण थे या नहीं।

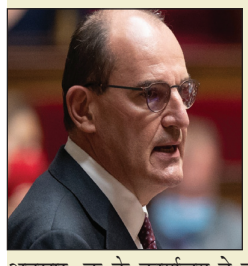

कार्यालय ने बताया कि जीन कास्टेक्स के बेल्जियम से लौटने के बाद उनकी एक बेटी संक्रमित पाई गई थी, जिसके बाद कास्टेक्स की दो जांच की गई और वह दोनों में संक्रमित पाए गए। कास्टेक्स ने बेल्जियम के प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर डी क्रू से ब्रसेल्स में मुलाकात की थी। सरकारी प्रसारक आरटीबीएफ के अनुसार, क्रू के कार्यालय ने बताया कि उनकी मंगलवार को जांच की जाएगी और रिपोर्ट आने तक वह पृथक-वास में रहेंगे। फ्रांस में 75 प्रतिशत आबादी को कोविड-19 रोधी टीके लगने के बावजूद, बीते कुछ हफ्तों से संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अधिक संख्या में लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है और संक्रमण से मौत के मामले भी बढ़े हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी पिछले साल दिसंबर में संक्रमित हो गए थे और कई अन्य मंत्री भी संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं।

एमनेस्टी ने पाकिस्तान से जबरन गुमशुदगी की परंपरा खत्म करने का अनुरोध किया

इस्लामाबाद। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने पाकिस्तानी अधिकारियों से बगैर मुकदमा चलाये संदिग्ध आतंकवादियों को जबरन गुमशुदा रखने की परंपरा खत्म करने का अनुरोध किया है। मानवाधिकार संगठन ने इस परंपरा को घृणित करार दिया है। ''लिविंग घोस्ट्स' नाम की रिपोर्ट में एमनेस्टी इंटरनेशनल ने गुमशुदा लोगों के परिजनों के समक्ष पेश आने वाली परेशानियों का उल्लेख किया है। इसने कहा है कि आतंकवाद पर अमेरिका नीत युद्ध की शुरूआत के बाद से सैकड़ों पाकितानी मानवाधिकार कार्यकर्ता, छात्र व पत्रकार लापता हो गये।

ब्रिटेन की मेजबानी में होने वाली जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक में आसियान सदस्य भी आमंत्रित

लंदन। ब्रिटेन की मेजबानी में अगले महीने होने जा रही जी-7 के विदेश मंत्रियों की बैठक में दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन (आसियान) के सदस्यों को भी आमंत्रित किया गया है। ब्रिटेन की सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी। लिवरपूल में 10 से 12 दिसंबर के बीच होने वाली जी-7 बैठक में भाग लेने वालों में आसियान सदस्य मलेशिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया के विदेश मंत्री भी शामिल हैं। ब्रिटेन की विदेश मंत्री लिज ट्रूस ने कहा, अगले महीने लिवरपूल में जी-7 के विदेश मंत्रियों की बैठक इस शहर को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर है, जिसमें ब्रिटिश संस्कृति, वाणिज्य और रचनात्मकता का सर्वोत्तम प्रदर्शन किया गया है।

अमेरिका के साथ अपने पुराने संबंधों को मजबूत करना चाहता है पाकिस्तान : कुरैशी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने सोमवार को कहा कि उनका देश अमेरिका के साथ अपने पुराने संबंधों को और अधिक मजबूत करना चाहता है।

कुरैशी ने अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति (एचएएफएसी) के अध्यक्ष ग्रेगरी मीक्स और एचएएफएसी की एशिया उपसमिति के अध्यक्ष अमी बेरा के साथ अपनी बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक कुरैशी ने पाकिस्तान की यात्रा पर आए अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि पाकिस्तान अमेरिका के साथ अपने पुराने संबंधों को महत्व देता है और इस रिश्ते को और मजबूत तथा व्यापक बनाना चाहता है। कुरैशी ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान भू-अर्थशास्त्र की अनिवार्यता का अनुसरण कर रहा है और देश को व्यापार, निवेश और वित्त का केंद्र बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अमेरिकी कंपनियों को अन्य बढ़ते क्षेत्रों से लाभांश प्राप्त करने के अलावा, पाकिस्तान के आईटी और स्वास्थ्य क्षेत्रों में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया।

श्रीलंका में नौका पलटने से 6 की मौत

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने मंगलवार को कहा कि किन्निया में एक नौका के पलट जाने से 6 लोगों की मौत हो गई और बच्चों सहित 14 अन्य लोगों को बचा लिया गया। नौसेना की प्रवक्ता कैप्टन इंडिका डी सिल्वा ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि नौका मंगलवार तड़के उस समय पलट गई, जब वह जलमार्ग पार कर रही थी और ऊपर का पुल क्षतिग्रस्त हो गया था। पुलिस ने बताया कि संख्या अधिक होने के कारण नौका पलट गई। शुरूआती रिपोटरें से पता चला है कि नौका में छात्रों सहित 22 लोग सवार थे। नौसेना के गोताखोरों ने चार बच्चों सहित छह शव बरामद किए, जबकि 14 लोगों को बचा लिया गया और उन्हें नजदीकी राज्य के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। खोज और बचाव कार्य अभी भी जारी है। कैप्टन इंडिका ने कहा कि यह अज्ञात है कि छात्र नौका पर क्यों थे। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि वे स्कूल जाने के लिए नौका पर सवार हुए थे।

बाइडेन की 'समिट फॉर डेमोक्रेसी' में शामिल होंगे पीएम मोदी! चीन और रूस सूची से बाहर, ताइवान आमंत्रित

नई दिल्ली (एजेंसी)।

यूरोप और एशिया के दो बड़े देश आमने-सामने हैं। दोनों के बीच की तल्खी किसी से छिपी नहीं है। दोनों देश एक-दूसरे पर मौका मिलते ही जुबानी हमले करने से गुरेज नहीं करते हैं। ये देश हैं अमेरिका और चीन जिनके बीच पहली बार वर्चुअल मीटिंग हुई। लेकिन इसके बावजूद भी दोनों के बीच की कड़वाहट कम नहीं हुई। अब अमेरिका चीन को अलग-थलग करने पर तुल गया है। जिसके लिए नया प्लान बनाया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'समिट फॉर डेमोक्रेसी' में शामिल होने की संभावना है। भारत उन 100 से अधिक देशों में शामिल है, जिन्हें 9-10 दिसंबर को होने वाले वर्चुअल समिट के लिए आमंत्रित किया गया है। लेकिन गौर करने वाली बात ये है कि अमेरिका ने ताइवान को 'समिट फॉर डेमोक्रेसी' के लिए आमंत्रित किया है। हालांकि, चीन आमंत्रितों की सूची में नहीं हैं।

शिखर सम्मेलन को लेकर व्हाइट हाउस की घोषणा के अनुसार आमंत्रित 100 से अधिक देशों के नेताओं के साथ ही भारत के पीएम मोदी की भागीदारी होगी। सम्मेलन में देश और विदेश में लोकतंत्र और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक प्रतिबद्धताओं÷ को शामिल करने की उम्मीद है। शिखर सम्मेलन मुख्य रूप से लोकतंत्र के क्षरण के मुद्दों पर केंद्रित होगा। नेताओं से यह भी अपेक्षा की जाएगी कि वे चर्चा करें कि स्वतंत्रता और अधिकारों की रक्षा कैसे की जाए।

देशों ने कैसे प्रतिक्रिया दी

चीन में रूसी राजदूत एंड्री डेनिसोव ने ग्लोबल टाइम्स को बताया कि 'लोकतंत्र शिखर सम्मेलन' दुनिया को 'श्रेष्ठ और निम्न' की श्रेणियों में विभाजित करने का एक और गुमराह करने वाला प्रयास है। एंड्री डेनिसोव ने कहा कि पश्चिमी देशों के कुछ राजनयिक भी अमेरिका के लोकतंत्र को वर्गीकृत करने के तरीके से असहमत थे, जब उन्होंने मेरे साथ निजी तौर पर बात की थी। इस बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के लिए दिसंबर के पहले हफ्ते में दिल्ली आने वाले हैं। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने अगस्त में अमेरिका के लोकतंत्र शिखर सम्मेलन के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा

था कि लोकतंत्र को खोखले नारों के बजाय मूर्त होना चाहिए। यह आध्यात्मिक अफीम नहीं बननी चाहिए जो लोगों को मूर्ख बनाती है या सुन्न करती है, फिर भी दूसरे देशों पर हमला करने और उन पर धब्बा लगाने और अपने स्वयं के आधिपत्य को बनाए रखने का बहाना बनाया जाता है।

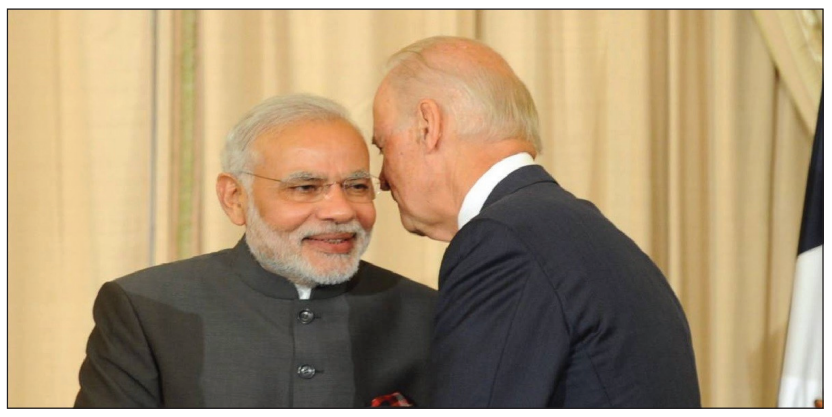

ताइवान आमंत्रित, चीन-रूस बाहर

अमेरिका ने ताइवान को 'समिट फॉर डेमोक्रेसी' के लिए आमंत्रित किया है। हालांकि, रूस और चीन आमंत्रितों की सूची में नहीं हैं। अफगानिस्तान और म्यांमार, जो हाल ही में लोकतांत्रिक शासन के पतन के साक्षी रहे हैं, भी सूची में नहीं हैं। इन देशों की स्थिति पर नेताओं द्वारा चर्चा किए जाने की संभावना है। पोलिटिको की एक रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण एशियाई देशों में भारत, पाकिस्तान, नेपाल और मालदीव को आमंत्रित किया गया है।

दक्षिण पूर्व एशिया पर प्रभुत्व नहीं चाहता चीन : शी

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने दक्षिण चीन सागर को लेकर चल रहे तनाव के बीच कहा कि उनका देश दक्षिण पूर्व एशिया पर प्रभुत्व हासिल नहीं करना चाहता और न ही अपने पड़ोसियों के साथ दबंगई करना चाहता है।

शी ने सोमवार को 'दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ' (आसियान) के सदस्यों के साथ एक ऑनलाइन सम्मेलन के दौरान यह टिप्पणी की। यह सम्मेलन दोनों पक्षों के बीच संबंधों की 30वीं वर्षगांठ मनाने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। चीन ने अपनी बढ़ती शक्ति और प्रभाव के बारे में चिंताओं को दूर करने की बार-बार कोशिश की है, विशेष रूप से पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपने दावे को लेकर, जिसपर आसियान के सदस्य मलेशिया, वियतनाम, ब्रुनेई और फिलीपीन भी दावा करते हैं। आधिकारिक समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के मुताबिक शी ने कहा, ''चीन प्रभुत्ववाद और सत्ता की राजनीति का दृढ़ता से विरोध करता है, अपने पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखना चाहता है, संयुक्त रूप से इस क्षेत्र में स्थायी शांति बनाए रखना चाहता है और निश्चित तौर पर वर्चस्व नहीं जमाएगा या छोटे देशों पर दबंगई नहीं करेगा।'' शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए शी ने एक व्यापक

रणनीतिक साझेदारी की स्थापना की घोषणा की, जो संबंधों को उच्च स्तर तक ले जाने के लिए एक राजनयिक शब्दजाल है। उन्होंने यह भी कहा, दक्षिण चीन सागर में स्थिरता की रक्षा करने और इसे शांति, मित्रता और सहयोग का समुद्र बनाने के लिए संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता है।

शी ने कहा, हम आसियान के साथ उच्च गुणवत्ता वाले बेल्ट एंड रोड सहयोग और बेल्ट एंड रोड पहल तथा हिन्द-प्रशांत में आसियान आउटलुक के बीच सहयोग चाहते हैं। बीजिंग आसियान देशों ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमा, फिलीपीन, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम के साथ विशेष संबंध स्थापित करने वाला पहला देश था, जिसने बड़े लाभ प्राप्त किए क्योंकि ब्लॉक के साथ उसका व्यापार 732 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया और बीजिंग सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनकर उभरा। भारत के भी आसियान देशों के साथ विशेष संबंध हैं। नयी दिल्ली ने भी पिछले महीने भारत-आसियान शिखर सम्मेलन आयोजित किया था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि 2022 को साझेदारी के 30 वर्ष होने के उपलक्ष्य में आसियान-भारत मैत्री वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। शी की टिप्पणी चीनी तटरक्षक पोतों द्वारा विवादित दक्षिण चीन सागर तट पर सैनिकों को आपूर्ति करने वाली दो फिलीपीनी नौकाओं को अवरुद्ध करने और उनपर पानी की तेज बौछार करने के कुछ दिनों बाद आई है। फिलीपीन के राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते ने सम्मेलन में अपनी टिप्पणी में इस घटना पर प्रकाश डाला। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में दुतेर्ते ने कहा, ''हम आयुंगिन (फिलीपीनी में तट का नाम) में हुई हाल की घटना की निंदा करते हैं और इसी तरह के अन्य घटनाक्रम को गंभीर चिंता के साथ देखते हैं। यह हमारे राष्ट्रों और हमारी साझेदारी के बीच संबंधों के बारे में अच्छे संकेत नहीं देता है।'' दुतेर्ते ने चीन से समुद्री कानून पर 1982 के संयुक्त राष्ट्र समझौते का सम्मान करने का भी आह्वान किया, जो समुद्री क्षेत्रों पर समुद्री अधिकारों और संप्रभु अधिकारों को स्थापित करता है। उन्होंने साथ ही 2016 के हेग मध्यस्थता के फैसले का भी सम्मान करने का आह्वान किया, जिसमें चीन के दक्षिण चीन सागर पर दावों को अमान्य कर दिया गया था।

आने वाली है दुनिया की पहली बिटकॉइन सिटी, नहीं लगेगा कोई इनकम टैक्स!

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मध्य अमेरिका में देश अल सल्वाडोर (श्वद्य स्ड्डद्य1ड्डस्रश्रह्म) ने दुनिया की पहली बिटकॉइन सिटी बनाने की योजना बनाई है। बिटकॉइन सिटी में वह सबकुछ होगा जिसका आप अंदाजा नहीं लगा सकते है। इस शहर में रिहायशी इलाका, कमर्शियल एरिया, समेत कई तरह के सर्विसेज़, म्यूजियम, इंटरनेटमेंट के साधन, एयरपोर्ट, पोर्ट, रेल सबकुछ शामिल होगा।

बता दें कि, अल सल्वाडोर के प्रेसीडेंट (राष्ट्राध्यक्ष) नायिब बुकेले ने इसकी घोषणा लेटिन अमेरिकन बिटकॉइन एंड ब्लॉकचेन कॉन्फ्रेंस के दौरान की। बता दें कि, ला यूनियन के पूर्वी क्षेत्र में ज्वालामुखी के द्वारा जियोथर्मल पावर सप्लाई होगी। इस शहर में केवल वेल्यू ऐडेड टैक्स लगाया जाएगा और कोई भी इनकम टैक्स, कैपिटल गेन टैक्स, प्रॉपर्टी टैक्स या पेरोल टैक्स नहीं लगाया जाएगा। प्रेसीडेंट नायिब बुकेले ने अपने भाषण में कहा कि, निवेश करने के साथ-साथ पैसे कमाएं। यह पूरी तरह से इकोलॉजिकल सिटी है।

पूरे शहर में मिलेगी पावर

बुकेले ने बताया कि, पूरे शहर में बिजली दी जाएगी और माइनिंग के लिए बिजली की कोई कमी नहीं होगी। दो दशक तक अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल करके बिटकॉइन को लीगल टेंडर बनाने वाली यह दुनिया का सबसे पहला देश बना है। बुकेले ने शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को सूचित करते हुए कहा कि, यह सिटी पूरा एरियल व्यू बिटकॉइन जैसा दिखेगा। इस शहर में एयरपोर्ट भी बनाया जाएगा। साल 2022 में अल सल्वाडोर में प्रारंभिक बॉन्ड जारी करने की योजना बनाई जा जाएगी। बता दें कि, नागरिकों में इसको लेकर काफी उत्साह देखा गया है, नायिब बुकेले भी इस बिटकॉइन सिटी का ऐलान करते हुए काफी उत्साहित दिखे और नागरिक जश्न मनाते देखे गए।

करतारपुर कॉरिडोर के खुलने से 73 साल बाद मिले दो बिछड़े दोस्त, भावुक हुआ पल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

करतारपुर कॉरिडोर खुल गया है और अब सिखों की भारी भीड़ दर्शन करने के लिए गुरूद्वारे पहुंच रही है। इसी बीच करतारपुर कॉरिडोर के खुलने से बंटवारे के समय में एक-दूसरे से अलग हो गए दो दोस्त का मिलन हो गया है। हिंदी अखबार में छपी एक खबर के मुताबिक, भारत के सरदार गोपाल सिंह की मुलाकात अपने बचपन के दोस्त मोहम्मद बशीर से हुई है। यह दोनों एक-दूसरे से बंटवारे के समय यानि कि साल 1947 में अलग हो गए थे। साल 1947 के बाद अब एक-दूसरे से मिलना एक सपने की तरह ही रहा। दोनों ने जब एक-दूसरे को देखा तो आंखों में नमी थी। देखते ही एक-दूसरे को गले लगाया। बता दें कि, भारत के सरदार गोपाल की उम्र इस समय 94 साल होगी वहीं मोहम्मद बशीर की उम्र 91 साल हो चुकी है।

करतारपुर के दर्शन के लिए आए थे सरदार गोपाल सिंह

पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, करतारपुर कॉरिडोर के खुलने के बाद सरदार गोपाल सिंह गुरूद्वारा दरबार साहिब के दर्शन करने पाकिस्तान आए हुए थे वहीं पाकिस्तान के मोहम्मद बशीर भी उसी समय दर्शन करने गुरूद्वारे पहुंचे हुए थे। दोनों ने एक-दूसरे को देखा तो उन्हें चेहरा जाना-पहचाना सा लगा। जब दोनों ने एक-दूसरे से बात की तब पता चला कि वह बचपन के दोस्त है। वहां मौजूद सभी लोगों के आंखों में आंसू आ गए क्योंकि दोनों ही साल 1947 के बाद अब मिल रहे थे। माहौल काफी भावुक बना हुआ था , इस दौरान कई भारतीय समेत पाकिस्तानी नागरिकों की आंखे नम थी।

पाकिस्तान अपने क्षेत्र से भारत को अफगानिस्तान को गेहूं भेजने की अनुमति देगा : इमरान खान

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने सोमवार को घोषणा की कि उनकी सरकार पारगमन के तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने के बाद भारत को अपने क्षेत्र से पड़ोसी देश अफगानिस्तान को 50,000 मीट्रिक टन गेहूं की मानवीय खेप भेजने की अनुमति देगी।

इमरान खान ने इस्लामाबाद में अफगानिस्तान अंतर-मंत्रालयी समन्वय प्रकोष्ठ (एआईसीसी) की शीर्ष समिति की पहली बैठक की अध्यक्षता की। इमरान ने इस अवसर पर अफगानिस्तान में मानवीय संकट की स्थिति से बचने के लिए तथा चुनौतियों के इस दौर में उसका समर्थन करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उसकी सामूहिक जिम्मेदारी की भी याद दिलाई। रेडियो पाकिस्तान की एक खबर के मुताबिक बैठक के दौरान, इमरान खान ने अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के रूप में 50,000 मीट्रिक टन गेहूं देने के भारत के प्रस्ताव को अनुमति देने के पाकिस्तान के फैसले की घोषणा की। भारत ने पाकिस्तान से गुजरने की पेशकश की थी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे ही भारतीय पक्ष के

साथ तौर-तरीकों को अंतिम रूप दिया जाता है, यह फैसला लागू हो जाएगा।

गौरतलब है कि मौजूदा समय में पाकिस्तान केवल अफगानिस्तान को भारत को माल निर्यात करने की अनुमति देता है, लेकिन सीमा पार से किसी अन्य दोतरफा व्यापार की अनुमति नहीं देता है। पिछले महीने, भारत ने मानवीय सहायता के रूप में अफगानिस्तान के लिए 50,000 मीट्रिक टन गेहूं की घोषणा की और पाकिस्तान से वाघा सीमा के माध्यम से खाद्यान्न भेजने का अनुरोध किया था।

महिलाओं पर हिजाब से लगाम कसने के बाद अब आदमियों की बारी, प्राइवेट पार्ट दिखाने वाले एक्टरों पर तालिबान ने लगाया बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तालिबान महिलाओं की आजादी के खिलाफ कितना कट्टर है यह बात किसी से छुपी हुई नहीं हैं। महिलाओं को तालिबानी नियमों का उल्लंघन करने पर जान गवानी पड़ती है यह भी पूरी दुनिया बखूबी जानती है। अफगानिस्तान में अब एक बार फिर तालिबान का राज है। अमेरिका ने जब अफगानिस्तान से अपनी सेना हटाई तो अफगानिस्तान का मंजर खौफनाक था। जितने हो सके उन लोगों ने देश छोड़ दिया लेकिन मूल अफगानों ने तालिबान को अपनी किस्मत मान लिया और वहीं बसे रहे। अफगानों को लेकर लगातार तालिबान नये-नये नियम लागू करता रहता हैं। ताजा अपडेट के अनुसार सिनेमा इंडस्ट्री को लेकर तालिबानियों ने नये नियम लागू होंगे, जिसमें महिलाओं खुलकर काम करने की मनाही हैं। वह नकाप पहन कर ही नाटकों और फिल्मों में काम कर सकेंगी। यहां तक की टीवी पर समाचार सुनाने वाली एंकर को भी हिजाब पहनकर ही एंकरिंग करनी होगी।

बीबीसी ने बताया कि तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लगाए गए नए नियमों के तहत अफगानिस्तान में महिलाओं को टेलीविजन नाटकों में प्रदर्शित होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। महिला पत्रकारों और प्रस्तुतकर्ताओं को भी स्क्रीन पर हेडस्कार्फ़ पहनने का आदेश दिया गया है, हालांकि दिशानिर्देश यह नहीं कहते हैं कि काम करते समय किस प्रकार के कवर का उपयोग करना है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, रिपोर्टरों का कहना है कि कुछ नियम अस्पष्ट हैं और व्याख्या के अधीन हैं। अफगान टेलीविजन चैनलों को जारी किए गए तालिबान दिशानिर्देशों के नये सेट में आठ नए नियम शामिल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें शरिया के सिद्धांतों, इस्लामी कानून और अफगान मूल्यों के खिलाफ मानी जाने वाली फिल्मों पर प्रतिबंध लगाना शामिल है, जबकि पुरुषों के शरीर के अंतरंग हिस्सों को उजागर करना प्रतिबंधित है। कॉमेडी और मनोरंजन से पता चलता है कि धर्म का अपमान करना या अफगानों के लिए अपमानजनक माना जा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान अपने आदेश में इस बार पर जोर दिया कि जो फिल्में या धारावाहिक विदेशी सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देती हैं उनका प्रसारण नहीं किया जाएगा। अफगान टेलीविजन चैनल मुख्य महिला पात्रों के साथ ज्यादातर विदेशी नाटक दिखाते हैं। अफगानिस्तान में पत्रकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन के एक सदस्य हुज्जतुल्लाह मुजद्देदी ने कहा कि नए प्रतिबंधों की घोषणा अप्रत्याशित थी। उन्होंने बीबीसी को बताया कि कुछ नियम व्यावहारिक नहीं थे और अगर इसे लागू किया जाता है, तो प्रसारकों को बंद करने के लिए मजबूर किया जा सकता है।

लड़कियों और युवतियों को स्कूल से घर पर रहने का आदेश देने के तालिबान ने अफगानिस्तान को दुनिया का एकमात्र ऐसा देश बना दिया, जिसने अपनी आधी आबादी को शिक्षा प्राप्त करने से रोक दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि राजधानी काबुल के मेयर ने भी महिला नगरपालिका कर्मचारियों को घर पर रहने के लिए कहा, जब तक कि उनकी नौकरी एक आदमी से नहीं भरी जा सकती।

सार समाचार

ांस की लड़की का बिहार के लड़के पर ाया दिल, बेगूसराय आकर लिये सात फेरे

टना। प्यार को लेकर एक बात बार बात कही जाती है। प्यार की ना ोई सीमा होती है और प्यार का अपना ही कोई धर्म होता है। प्यार तो स दो दिलों का मिलन है। ऐसा ही कुछ फ्रांस की राजधानी पेरिस की हने वाली एक युवती के साथ हुआ। प्यार इतने परवान पर चढ़ा कि ड़की ने भारत आकर अपने बॉयफ्रेंड से शादी कर ली। दरअसल, ड़की का दिल बिहार के बेगूसराय के रहने वाले राकेश कुमार पर आ या था। दोनों एक दूसरे से काफी समय से संपर्क में थे। फिर लड़की ने गूसराय आकर अपने बॉयफ्रेंड के साथ हिंदू रीति रिवाज से शादी कर ी। शादी के लिए दोनों को परिजनों की मंजूरी भी मिल गई थी।

सपा नहीं लाएगी चुनावी घोषणा पत्र इस ार 2007 की तरफ आएंगे नतीजे : मायावती

ई दिल्ली। 2022 में बहुजन समाज पार्टी इस बार जनता के बीच ोषणा पत्र नहीं, बल्कि पार्टी द्वारा किए गए कार्यों को जनता के सामने खेगी। मायावती ने आज मंगलवार को पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस ़ दौरान चार बार के शासन में हुए कार्यों का पत्रक (फोर्डर) पेश किया। ायावती ने कहा कि ये पत्रक आम लोगों तक पहुंचाया जाएगा, ताकि ोग जान सकें कि इसी तर्ज पर बसपा विकास कार्य कराएगी।मायावती कहा, बसपा शासनकाल की तरह किसी भी सरकार ने कार्य नहीं कया। उन्हीं कार्यों को लेकर जनता के बीच जाएंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी ोषणापत्र जारी नहीं करती, बल्कि करके दिखाने में विश्वास करती है। सपा ने देश की आजादी के बाद सबसे अधिक विकास कराया है। न्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में इस बार वर्ष 2007 ी तरह ही नतीजे आएंगे। मायावती ने कहा, सूबे की 86 सुरक्षित ्धानसभा सीटों के अध्यक्षों को बुलाया है। इन नेताओं के साथ मंथन कया जाएगा कि वर्ष 2007 की तरह सभी सीटों को कैसे जीता जाए। सपा अध्यक्ष ने कहा कि सभी 75 जिलों के पदाधिकारियों से वार्ता कर ही हूं, लगातार रिव्यू जारी है।मायावती ने इस दौरान किसानों की भी बात ी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने तीन कृषि कानून तो वापस ले लिए लेकिन सरकार को किसान संगठनों के साथ बैठ कर उनकी समस्याओं ा समाधान करना चाहिए, ताकि किसान लोग खुशी-खुशी अपने घर ापस जाकर अपने काम में लग जाएं। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र रकार को इस मामले को ज़्यादा नहीं लटकाना चाहिए.

ेंट्रल विस्टा परियोजना को चुनौती देने वाली याचिका ारिज, सुनवाई को दौरान सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

ई दिल्ली। मोदी सरकार की महत्वपूर्ण परियोजना सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट ो एक बार फिर से सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी मिल गई है। प्लॉट के लैंड ज़ में बदलाव को चुनौती देने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज र दिया जहां लुटियंस दिल्ली में उपराष्ट्रपति का नया आधिकारिक आवास नेगा। न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और ्यायमूर्ति सी टी रविकुमार की पीठ ने कहा कि संबंधित अधिकारियों द्वारा र्याप्त स्पष्टीकरण दिये गये हैं जो भूखंड के भूमि उपयोग में परिवर्तन को ही ठहराते हैं। कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए यह भी कह दिया क यहां कोई प्राइवेट प्रॉपर्टी नहीं बनाई जा रही। इस जमीन का इस्तेमाल मेशा सरकारी कामों के लिए ही किया जाता रहा है। दरअसल, याचिका कहा गया था कि जहां उपराष्ट्रपति का आवास बनाया जा रहा है वहां ससे चिल्ड्रन पार्क और हरियाली खत्म हो जाएगी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के दौरान यह कहा कि अगर उपराष्ट्रपति का आवास वहां नाया जाएगा तो उसमें हरियाली होनी तय है। पीठ ने कहा, 'हमें इस ामले की और जांच करने का कोई कारण नहीं मिला और इसलिए इस ाचिका को खारिज करके पूरे विवाद को खत्म कर रहे हैं।'

ीतीश सरकार का बड़ा फैसला, खराब सड़कों की स्थाई मरम्मत में हुए भ्रष्टाचार की होगी जांच

टना। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार पर ष्टाचार के खिलाफ सख्त होते दिखाई दे रही है। इसी कड़ी में बिहार रकार ने बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, बिहार में बाढ़ के दौरान कई ड़कें टूट गई थी। इन सड़कों का अस्थाई तौर पर मरम्मत किया गया ा। हालांकि कई जगह मरम्मत करने के दौरान तय मानकों का पालन हीं हुआ था। इसी को लेकर अब नीतीश कुमार की सरकार ने जांच के ादेश दे दिए हैं। जांच का जिम्मा कार्यपालक अभियंताओं को दिया जा हा है। हालांकि वे अधीनस्थ कार्य प्रमंडल में जांच नहीं कर सकेंगे। ड़कों के अस्थाई मरम्मत कार्य में भ्रष्टाचार के मामले आए थे। इस साल ाढ़ की वजह से सड़के क्षतिग्रस्त हुए थे। सड़कों की मरम्मत की जांच ्पोर्ट तत्काल रुप से सभी अभियंताओं और कार्यपालक अभियंताओं से ांगी गई है। जानकारी के मुताबिक इस साल बिहार में बाढ़ की वजह से रीब 6000 से अधिक ग्रामीण सड़कों पर पानी चढ़ गया था जिसके ारण कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई थी।

श्मीर घाटी में आतंक को फंडिंग करने वालों की खैर हीं, एनआईए ने खुर्रम परवेज को धर दबोचा

यी दिल्ली। कश्मीर घाटी में आतंक का वित्त पोषण करने वालों की अब ैर नहीं है। लगातार ऐसे लोगों की धरपकड़ की जा रही है जो धर्म के ाम पर बाहर से पैसा लाकर घाटी में आतंक को प्रश्रय देते हैं। इसी िलसिले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने विभिन्न स्थानों र छापेमारी की। आतंकियों के वित्तपोषण मामले में पूछताछ के लिए नआईए ने एक कथित मानवाधिकार कार्यकर्ता खुर्रम परवेज को िरासत में लिया था जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों बताया कि 'जम्मू-कश्मीर कोलिशन ऑफ सिविल सोसाइटी' के मन्वयक खुर्रम परवेज को श्रीनगर में उनके सोनावर आवास पर ापेमारी के दौरान हिरासत में लिया गया था। हम आपको याद दिला दें क पिछले साल 28 अक्टूबर को एनआईए ने कुछ तथाकथित गैर रकारी संगठनों और ट्रस्टों द्वारा धर्मार्थ गतिविधियों के नाम पर भारत था विदेश में धन जुटाने और फिर उन पैसों का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर अलगाववादी गतिविधियों को अंजाम देने के मामले में घाटी में खुर्रम रवेज के आवास सहित 10 स्थानों और बेंगलुरु में एक स्थान की लाशी ली थी। एनआईए ने कहा था कि आठ अक्टूबर 2020 को ारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम ानून (यूएपीए) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। नआईए के मुताबिक उसे पुख्ता जानकारी मिली थी कि कुछ एनजीओ ौर ट्रस्ट ने तथाकथित दान और व्यावसायिक योगदान के माध्यम से देश ौर विदेश से धन एकत्र कर उनका उपयोग केंद्र शासित प्रदेश में ातंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए किया।

सीएए के नाम पर भावनाओं को भड़काने वालों पर भड़के योगी, बोले- चचाजान और अब्बाजान के अनुयायियों से कहूंगा...

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर से विपक्ष पर निशाना साधा है। योगी ने दावा किया कि एक बार फिर से सीएए के नाम पर राज्य में दंगा भड़काने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 2017 के पहले हर तीसरे-चौथे दिन दंगे होते थे। मैं आज उस व्यक्ति को चेतावनी दूंगा जो यहां पर सीएए के नाम पर फिर से भावनाओं को भड़काने का काम कर रहा है। इसके साथ ही योगी ने कहा कि मैं चाचा जान और अब्बा जान के अनुयायियों से कहूंगा कि अगर प्रदेश की भावनाओं को भड़का कर माहौल खराब करोगे तो सरकार शक्ति के साथ निपटना भी जानती है।

योगी ने दावा किया कि हर व्यक्ति जानता है कि ओवैसी समाजवादी पार्टी के एजेंट बनकर प्रदेश में भावनाओं को भड़काने का काम कर रहे हैं। इसके साथ ही योगी ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर भी निशाना साधा ओवैसी को सपा का एजेंट बताते हुए योगी ने आरोप लगाया कि वह लोगों के भावनाओं को भड़काने का काम कर रहे हैं। इसके साथ ही योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश अब दंगा नहीं बल्कि दंगा मुक्त प्रदेश के रूप में पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब दंगा और माफियाओं की सरकार नहीं बल्कि माफियाओं पर बुलडोजर चलाने वाली सरकार है। यहां की जनता विकास और नए भारत के साथ साथ नए उत्तर प्रदेश का संकल्प ले चुकी है।

योगी ने कहा कि आजादी के बाद परिवारवादी सोच के लोगों ने, जातिवादी सोच के लोगों ने, वंशवादी सोच के लोगों ने न केवल सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न किया, बल्कि अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए इस क्षेत्र के विकास को भी बाधित करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी थी। भाजपा का एक एक कार्यकर्ता कहता था- रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री जी ने भव्य राम मंदिर का शिलान्यास कर मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि संकट का साथी जब भाजपा है तो वोट पाने का अधिकारी भी भाजपा है।

पूर्वांचल विकास मॉडल के सहारे पूर्वी यूपी में कमल खिलाने की तैयारी में भाजपा, ये रहा पूरा प्लान

जयपुर (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा अपनी तैयारियों में जुट गई है। हाल में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार द्वारा लाई गई तीन कृषि कानूनों को वापस लिए जाने का ऐलान किया। प्रधानमंत्री के इस ऐलान को राजनीतिक विश्लेषक चुनावी नफा-नुकसान से जोड़कर देख रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए कृषि कानूनों को वापस लेने पर मजबूर हुई। हालांकि, पार्टी उत्तर प्रदेश में किसी बड़े झटके से पहले ही कड़ी मेहनत करने में जुट गई है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए वर्तमान में भाजपा का पूरा का पूरा फोकस पूर्वांचल पर है। राजनीतिक विश्लेषकों और नेताओं ने इसे पूर्वांचल विकास मॉडल के रूप में वर्णित करना शुरू कर दिया है। पिछले 1 महीने में देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद तीन बार पूर्वी उत्तर प्रदेश का दौरा कर चुके हैं। हाल में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का उद्घाटन करने पहुंचे थे। इससे पहले वह कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था। इसके अलावा वह सिद्धार्थ नगर से मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन किया था। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में काशी कॉरिडोर परियोजना का उद्घाटन करने के लिए पहुंच सकते हैं। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह अभी हाल में ही पूर्वी उत्तर प्रदेश के दौरे पर गए थे जहां उन्होंने कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया था। नरेंद्र मोदी और अमित शाह लगातार विकास परियोजनाओं का उद्घाटन कर रहे हैं जिसका भाजपा पूरे जोर-शोर से प्रचार कर रही है। क्षेत्र के हिसाब से देखें तो पूर्वांचल उत्तर प्रदेश का एक बड़ा हिस्सा है जिसमें 28 जिले आते हैं। इन 28 जिलों के 164 विधानसभा सीटों पर भाजपा की नजर है और यही कारण है कि पार्टी ने पूर्वांचल में अपनी सक्रियता को बढ़ा दिया है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूर्वांचल से आते हैं। 2017 के चुनाव में देखें तो पूर्वांचल में भाजपा का प्रदर्शन शानदार रहा था जहां की 164 सीटों में से भगवा पार्टी को 115 सीटें मिली थी। समाजवादी पार्टी को 17 सीटें जबकि बसपा को 15 सीटें मिली थी। इसके अलावा कांग्रेस के खाते में दो जबकि अन्य के खाते में 15 सीटें गई थी। पार्टी को इस बात की उम्मीद है कि वह पूर्वांचल में अपना पिछला प्रदर्शन दोहरा पाने में उसे कामयाबी जरूर मिलेगी। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने दावा किया कि पूर्वांचल में इस बार लड़ाई नैरेटिव और परसेप्शन पर टिकी हुई है और भाजपा अपनी योजनाओं को लोगों के बीच प्रचारित करने के लिए काफी मेहनत कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि पूर्वांचल हमारे अभियान की आत्मा है और हमें पहले की तुलना में यहां अधिक सीटें जीतना है। इसके अलावा पार्टी क्षेत्र में गैर यादव ओबीसी को अपने पाले में लाने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है। पार्टी अभी मान रही है कि भले ही ओमप्रकाश राजभर समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में शामिल हो गए हैं लेकिन उनके मतदाताओं का अब भी सॉफ्ट कॉर्नर भाजपा की ओर है जिसे हम हर हाल में हासिल करना चाहते हैं।

दुश्मनों की योजनाओं को परास्त करने के लिए 'ह्यूमन इंटेलिजेंस' की होगी तैनाती, सीमावर्ती इलाकों पर होगा 'टू इन वन' काम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दुश्मनों को करारा जवाब देने के लिए और अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए 'ह्यूमन इंटेलिजेंस' की नई टीम खड़ी की जाएगी और यह टीम 'टू इन वन' का काम करेगी। दरअसल, यह टीम दुश्मन पर नजर रखने के साथ-साथ सीमावर्ती इलाकों में चल रही विकास परियोजनाओं में मदद करेगी।

पीएम मोदी ने भी सम्मेलन में लिया था हिस्सा

आपको बता दें कि, पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) के सम्मेलन में 'टू इन वन' मुद्दे पर प्रमुखता से चर्चा हुई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस बैठक में हिस्सा लिया। अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, तीन दिवसीय सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिस महानिदेशक, केंद्रीय पुलिस बलों के महानिदेशकों और 350 अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों समेत अन्य लोगों ने हिस्सा लिया।

ह्यूमन इंटेलिजेंस को किया जाएगा मजबूत

अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी), नियंत्रण रेखा (एलओसी) और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की चौकसी को और बेहतर बनाने के लिए और दुश्मनों पर नजर रखने के लिए ह्यूमन इंटेलिजेंस को मजबूत किया जाएगा ताकि एजेंसियों के पास दुश्मनों की पूरी जानकारी उपलब्ध रहे।

16 हजार सीमावर्ती गांव संभालेंगे मोर्चा

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, ऐसे सीमावर्ती इलाकों में ह्यूमन इंटेलिजेंस काम करेगा, जहां पर सुरक्षाकर्मियों नियमित तौर पर गश्त नहीं कर पाते हैं और उन इलाकों में सर्विलांस उपकरणों से निगरानी रखी जाती है। 16 हजार सीमावर्ती गांव इसका मोर्चा संभालेंगे। ह्यूमन इंटेलिजेंस आईबी, एलओसी और एलएसी के 10 किमी के दायरे में अपनी योजना को अंजाम देगा।

केंद्र सरकार इन 16 हजार सीमावर्ती गांव के लिए राज्यों के साथ मिलकर 'सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम' चलाती है और यही गांव अब 'ह्यूमन इंटेलिजेंस' का मोर्चा संभालेंगे।

कांग्रेस के 25 विधायक और 2-3 सांसद हमारे संपर्क में, हम नहीं लेना चाहते उनका कचरा: केजरीवाल

अमृतसर। (एजेंसी)।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को अमृतसर में बड़ा दावा करते हुए कहा कि कांग्रेस के 25 विधायक और 2-3 सांसद हमारे संपर्क में हैं जो आना चाहते हैं लेकिन हम उनका कचरा नहीं लेना चाहते हैं। यह गंदी राजनीति है, हम इसमें नहीं पड़ते हैं।

समाचार एजेंसी के मुताबिक, मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि जिसको टिकट नहीं मिलता है वो नाराज हो जाते हैं और उन्हें मनाने की कोशिश की जाती है, यह हर पार्टी में होता है। कांग्रेस के भी बहुत सारे लोग हमारे संपर्क में हैं और हम उनका कचरा नहीं लेना चाहते हैं। अगर हमने उनका कचरा लेना चालू कर दिया तो शाम तक 25 कांग्रेस के विधायक हमारी पार्टी में शामिल हो जाएंगे। अगर यही प्रतियोगिता ही करनी है उनके कितने और हमारे कितने। ऐसे में हमारे 2 ही गए हैं लेकिन उनके 25 विधायक और 2-3 सांसद हमारे संपर्क में हैं। यह गंदी राजनीति है, हम इसमें नहीं पड़ते हैं।

पंजाब के स्कूलों को करेंगे ठीक

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों की तरह ही पंजाब के सरकारी स्कूलों को भी ठीक करेंगे और हमें करना आता है। उन्होंने कहा कि हमें ही करना आता है और किसी और पार्टी को नहीं आता है। कांग्रेस की कितने राज्यों में सरकार है, पिछले 70 सालों में कितने राज्यों में सरकार बनी। पंजाब में अभी कांग्रेस की सरकार है लेकिन उनसे तो सरकारी स्कूल ठीक नहीं हुए। भाजपा और अकाली दल से भी नहीं हुए।

कृषि कानूनों की वापसी के बाद पंजाब में बड़ा भाई बनने के लिए तैयार भाजपा, शिअद के लिए खोले अपने दरवाजे

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा केंद्रीय कृषि कानूनों की वापसी के ऐलान के बाद एक बार फिर से पंजाब में नए समीकरण बन सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं। आपको बता दें कि पंजाब में भाजपा हमेशा से ही शिअद के साथ मिलकर चुनाव लड़ती थी लेकिन किसानों के मुद्दे को लेकर हरसिमरत सिंह कौर ने केंद्रीय पद छोड़ दिया था और फिर शिअद ने भाजपा के साथ सालों से चला आ रहा गठबंधन समाप्त कर दिया था।

पिछले साल सितंबर महीने में केंद्र सरकार विपक्षी दलों के भारी विरोध के बावजूद तीनों कृषि कानून लेकर आई थी। इसके बाद से ही देश के विभिन्न हिस्सों खासकर पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इन कानूनों का भारी विरोध आरंभ हो गया और इन राज्यों के किसान दिल्ली की अलग-अलग सीमाओं पर आकर डट गए। इन तीनों राज्यों में किसानों की नाराजगी और लगभग सालभर से चल रहा आंदोलन भाजपा के लिए मुसीबत का सबब बन गया। बहरहाल, तीनों कानूनों की वापसी के ऐलान से भाजपा में अब उम्मीद जगी है कि वह पंजाब में सिखों की नाराजगी खत्म कर जहां एक नयी शुरुआत कर सकती है। वहीं शिअद के साथ अपने पुराने गठबंधन को बहाल भी करना चाहती है लेकिन शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने ऐसी किसी भी संभावना से इनकार कर दिया था।

इसी बीच भाजपा महासचिव दुष्यंत गौतम ने कहा कि अगर शिअद छोटा भाई बनने के लिए तैयार है तो भाजपा फिर गठबंधन कर सकती है। दुष्यंत गौतम के इस बयान के बाद पंजाब की सियासत गर्मा गयी। भाजपा ने पहले 'नवां पंजाब भाजपा दे नाल' नारे के साथ अकेल चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया था।

गलवान में चीनी दुश्मनों को धूल चटाने वाले कर्नल संतोष बाबू को मिला वीरता का दूसरा सबसे बड़ा सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

2020 में लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी ैनिकों के साथ संघर्ष के दौरान शहीद हुए 37 ार्षीय कर्नल बी संतोष बाबू को मंगलवार को ाष्ट्रपति राम नाथ कोविंद द्वारा एक अलंकरण मारोह में मरणोपरांत असाधारण साहस और तृत्व के लिए महावीर चक्र (एमवीसी) से म्मानित किया गया। नई दिल्ली राष्ट्रपति भवन बाबू की विधवा पत्नी बी संतोषी और मां बी ंजुला ने पुरस्कार प्राप्त किया। राष्ट्रपति ने लवान के पांच अन्य बहादुरों को भी वीर चक्र वीआरसी) से सम्मानित किया, जिन्होंने 15 ून, 2020 को संख्यात्मक रूप से बेहतर ीनी सैनिकों का मुकाबला किया। उनमें से चार ो मरणोपरांत वीआरसी से सम्मानित किया या।

मरणोपरांत वीआरसी पुरस्कार विजेताओं में नायब सूबेदार नुदुरम सोरेन (16 बिहार), हवलदार के पलानी (81 फील्ड) नायक दीपक सिंह (16 बिहार) और सिपाही गुरतेज सिंह (3 पंजाब) हैं। हवलदार तेजिंदर सिंह (3 मध्यम) युद्धकालीन सम्मान के एकमात्र जीवित प्राप्तकर्ता थे। क्रूर संघर्ष ने भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों को काफी खराब स्थिति में पहुंचा दिया था। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने शिरकत की। परमवीर चक्र के बाद महावीर चक्र दूसरा सर्वोच्च युद्धकालीन वीरता पुरस्कार है।गणतंत्र दिवस 2021 पर इन सभी को पुरस्कार देने की घोषणा की गयी थी, जिसके बाद सरकार द्वारा मंगलवार युद्धकालीन सम्मान दिए गये।

कर्नल बिकूमल्ला संतोष बाबू को मरणोपरांत दिया गया महावीर चक्र

पिछले साल जून में लद्दाख की गलवान घाटी में चीन के बर्बर हमले के खिलाफ मोर्चे की अगुवाई करने वाले 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग अधिकारी कर्नल बिकूमल्ला संतोष बाबू को मंगलवार को मरणोपरांत महावीर चक्र प्रदान किया गया। बाबू के उद्धरण में कहा गया है: 'दुश्मन सैनिकों की भारी ताकत द्वारा हिंसक और आक्रामक कार्रवाई से निडर होकर, स्वयं से पहले सेवा की सच्ची भावना में अधिकारी ने भारतीय सैनिकों को पीछे धकेलने के दुश्मन के प्रयास का विरोध करना जारी रखा। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, कर्नल बाबू ने शत्रुतापूर्ण परिस्थितियों के बावजूद अपने स्थान पर दुश्मन के हमले को रोकने के लिए पूर्ण कमान और नियंत्रण के साथ सामने से नेतृत्व किया।

गलवान घाटी में शहीद हुए थे 20 सैनिक

कर्नल बाबू 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर थे, जिन्हें ऑपरेशन स्नो लेपर्ड के लिए गलवान घाटी में तैनात किया गया था। भारत और चीन पिछले साल मई की शुरुआत से एक सैन्य गतिरोध में शामिल थे। दोनों पक्ष विघटन पर चर्चा कर रहे थे। गलवान घाटी में पेट्रोलिंग प्वाइंट (पीपी) 14 के पास सात घंटे के घातक संघर्ष में बीस भारतीय सैनिक मारे गए, जहां भारतीय सैनिकों ने चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) को भारी नुकसान पहुंचाया। 16 बिहार के अलावा 3 पंजाब, 3 मीडियम रेजिमेंट और 81 फील्ड रेजिमेंट के सैनिक पांच दशकों से अधिक समय में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पहला घातक संघर्ष में शामिल थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने अनिवार्य बीआईएस मानकों का उल्लंघन करने वाले

प्रेशर कुकरों की बिक्री पर ई-कॉमर्स कंपनियों को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष - 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत हो रहे समारोहों के भाग के रूप में, केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ऐसे कृत्रिम और नकली सामानों की बिक्री रोकने का एक देशव्यापी अभियान शुरू किया है, जो केन्द्र सरकार द्वारा प्रकाशित गुणवत्ता नियंत्रण आदेश का उल्लंघन करते हों। इस संबंध में सीसीपीए पहले ही अनुचित व्यापार व्यवहार और ऐसे सामानों के विनिर्माण या बिक्री से संबंधित उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन की जांच के लिए देश भर के जिलाधिकारियों को दिशानिर्देश जारी कर चुका है। अभियान के लिए चिह्नित किए गए आवश्यक, दैनिक उपयोग के सामानों में हेलमेट, प्रेशर कुकर और कुकिंग गैस सिलिंडर शामिल हैं। अभियान को आगे बढ़ाने के लिए, सीसीपीए ने केन्द्र सरकार द्वारा 21 जनवरी, 2020 को जारी घरेलू प्रेशर कुकर (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2020 का उल्लंघन करते हुए ई-कॉमर्स एंटिटी पर प्रेशर कुकरों की बिक्री के मामलों को स्वतः संज्ञान लिया है। उक्त आदेश के द्वारा, घरेलू प्रेशर कुकर को भारतीय मानक आईएस 2347:2017 के अनुरूप होना और 1 अगस्त 2020 से प्रभावी बीआईएस से लाइसेंस के तहत स्टैंडर्ड चिह्न का होना अनिवार्य है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(10) के तहत ÷डिफेक्ट÷ का मतलब गुणवत्ता, मात्रा, शक्ति, शुद्धता या मानक में कोई दोष, अपूर्णता या कमी है, जिसे किसी भी सामान या उत्पाद के संबंध में किसी भी तरह से या किसी भी अनुबंध, अभिव्यक्ति या सूचना या ट्रेडर द्वारा किए गए दावे या लागू कानून के तहत बनाए रखा जाना आवश्यक है और इस क्रम में उसे दोषपूर्ण समझा जाएगा। इस प्रकार, अनिवार्य मानकों के अनुरूप नहीं होने वाले प्रेशर कुकरों को अधिनियम के अंतर्गत 'दोषपूर्ण' माना जाता है।

बच्चों के वैक्सीनेशन पर फैसला नहीं

18+ का टीकाकरण पूरा करने के लिए 72 करोड़ डोज चाहिए, बूस्टर डोज पर भी विचार नहीं कर रही सरकार

नई दिल्ली। बच्चों के वैक्सीनेशन को लेकर सरकार फिलहाल कोई फैसला नहीं कर सकी है। इसके अलावा वैक्सीनेट हो चुके लोगों को बूस्टर डोज लगाने को लेकर भी कोई रणनीति नहीं बनी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि अभी इस बारे में कोई विचार नहीं किया है।

दुनिया के कई प्रमुख देश बूस्टर डोज लगाना शुरू कर चुके हैं, लेकिन भारत में परिस्थितियां अभी अलग हैं। यहां न तो अभी अमेरिका-ब्रिटेन की तरह कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है, न ही बच्चों में संक्रमण को लेकर ज्यादा खतरा है। देश के 18 करोड़ वयस्क यानी 18+ ऐसे हैं, जिन्हें टीके का पहला डोज भी नहीं लगा है। इन्हें टीका लगने के बाद ही बूस्टर डोज का फैसला लिया जा सकता है। आधार डेटा के मुताबिक देश में 95 करोड़ लोग 18 साल से

ज्यादा उम्र के हैं। इनमें से 77 करोड़ लोगों को पहला डोज लग चुका है, जबकि दूसरी डोज लगवाने वाले करीब 41 करोड़ हैं। यानी, 18 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्हें अभी पहला डोज भी नहीं लगा है। ऐसे में इन्हें टीके लगाना सरकार की प्राथमिकता है। बूस्टर डोज पर फैसला लेने के लिए अभी कोई ठोस आधार नहीं है।

बच्चों को टीके अभी क्यों नहीं? -ब्रिटेन समेत दुनियाभर के प्रमुख देशों में औसतन हर 10 लाख संक्रमित बच्चों में सिर्फ 2 बच्चों की मौत हुई है। यानी, बच्चों में कोरोना से मौतों की दर न के बराबर है।

राशन की होम डिलीवरीः दिल्ली सरकार की योजना पर केंद्र सरकार को आपत्ति

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार की घर-घर राशन की होम डिलीवरी योजना पर आपत्ति जताई है। केंद्र ने हाईकोर्ट के समक्ष तर्क रखा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना (एनएफएस) को लागू करने में जनवितरण प्रणाली के तहत संचालित होने वाली दुकानें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ के समक्ष केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने उचित मूल्य की दुकानों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के बनावट (ढांचे)

का अभिन्न अंग बताया। उन्होंने पीठ को बताया कि राज्य सरकार खाद्य सुरक्षा कानून के ढांचे में किसी तरह का बदलाव या छेड़छाड़ नहीं कर सकती। केंद्र ने पीठ को बताया कि दिल्ली सरकार द्वारा लागू की जा रही राशन की होम डिलीवरी योजना में उचित मूल्य की दुकानों की भूमिका नहीं तय की गई है। केंद्र ने कहा कि दिल्ली सरकार एनएफएस के तहत दिए जाने वाले लाभों के अलावा जनता को अन्य व अधिक लाभ प्रदान करने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के लाभों को कम नहीं कर सकती। केंद्र ने सरकारी राशन डीलर्स संघ की ओर से दाखिल याचिका पर यह दलील दी है।

देश भर में घरेलू कामगारों का सर्वे शुरू, पहुंचाया जा सकेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

नई दिल्ली। देश में पहली बार घरेलू कामगारों का सर्वे शुरू हुआ है। श्रम व रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने इसकी शुरुआत की। यह काम देश के सभी राज्य व केंद्रशासित प्रदेशों में किया जाएगा। 742 जिलों में होने वाले इस सर्वे का काम अगले एक साल में पूरा होने की उम्मीद है।

इस सर्वे के जरिए घरेलू कामगारों के काम करने की आयु, सामाजिक स्थिति, व्यावसायिक प्रशिक्षण व शिक्षा, उनके द्वारा किए जाने वाले काम, काम के दिनों की संख्या जैसी जानकारी जुटाई जाएगी। इससे काम के घंटे, मजदूरी और अनुबंध का प्रकार, काम के लिए तय की जाने वाली दूरी, कोरोना महामारी से पहले और बाद में रखे गए घरेलू कामगार, मजदूरी तथा नौकरी पर इसके प्रभाव, रहन-सहन का स्तर और सामाजिक सुरक्षा लाभ के बारे में भी जानकारी मिलेगी। अब तक घरेलू कामगारों का कोई डाटा कहीं भी उपलब्ध नहीं है। श्रम व रोजगार मंत्रालय के मुताबिक घरेलू कामगारों के इस प्रकार सर्वे से उनसे जुड़ी सभी जानकारी सरकार के पास होगी जिससे इन घरेलू कामगारों को भी सरकारी लाभ का हिस्सा बनाया जा सकेगा। घरेलू कामगारों पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण का उद्देश्य राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर घरेलू कामगारों की संख्या और अनुपात, औपचारिक-अनौपचारिक

रोजगार, प्रवासी-गैर-प्रवासी, उनकी मजदूरी और अन्य सामाजिक-आर्थिक विशेषताओं के संबंध में जानकारी जुटाना है।

ई-श्रम पोर्टल भी हो चुका लांच

कुछ माह पहले ही श्रम मंत्रालय ने असंगठित क्षेत्रों के श्रमिकों के पंजीयन के लिए ई-श्रम पोर्टल लांच किया था और अब तक आठ करोड़ से अधिक श्रमिक इस पोर्टल पर अपना पंजीयन करा चुके हैं।

कृषि कानूनों की वापसी के बाद सरकार का अगला दांव, संसद में ला सकती है बीज विधेयक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार तीन कृषि कानूनों को रद्द करने की घोषणा के बाद आगामी संसद के शीतकालानी सत्र में बीज विधेयक 2019 पेश कर सकती है। सरकार का मकसद किसानों को उचित दर पर गुणवत्तापरक प्रमाणिक बीज मुहैया करना है। जिससे वह अधिक से अधिक उपज पैदा कर सके। वर्तमान में कानून के अभाव में किसानों को नकली-घटिया किस्म के बीज मंहगी दर पर बेचे जाते हैं। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान के साथ कम उपज से भी समझौता करना पड़ता है। विधेयक में खराब बीज पर कंपनी पर अधिकतम पांच लाख रुपये का जुर्माना व एक साल की कैद का प्रावधान है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के प्रस्तावों को बीज विधेयक 2019 में शामिल कर लिया गया है। विधेयक को जल्द ही कैबिनेट के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। इसके बाद विधेयक को संसद के शीतकालानी सत्र में पेश किया जा सकता है। आईसीएआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विभाग के प्रस्तावों में सरकार फेरबदल कर सकती है। विभाग ने अपने प्रस्तावों में किसानों को गुणवत्तापरक प्रमाणिक

बीज उपलब्ध कराने का प्रावधान किया है। बीज कंपनी को पंजीकरण करना होगा और बीज की समस्त किस्मों व उनकी गुणवत्ता को प्रमाणिक कराना होगा। इसके लिए केंद्र व राज्य सरकार की टेस्टिंग एजेंसी फील्ड पर नियुक्त होंगी। सरकार स्वतंत्र एजेंसी को भी नियुक्त कर सकेगी। उन्होंने बताया कि किसान को बेची जाने वाली किस्मों के गुणों के बारे में भी सूचित करना होगा। साथ ही दावा किए गए गुणों के आधार पर बीज अपनी क्षमता नहीं प्रदर्शित कर पाता तो किसान को क्षतिपूर्ति का अधिकार होगा और कृषक उपभोक्ता संरक्षण न्यायालय से अपनी क्षतिपूर्ति ले सकेगा। कंपनी-बीज विक्रेता पर यदि लेबल पर मानक में अलग-अलग सूचनाएं जैसे आनुवांशिक सूचनाएं, मिस ब्रांड बीज की आपूर्ति, नकली बीज बेचना सिद्ध होने पर एक वर्ष का कारावास एवं पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाने का प्रावधान होगा।

किसान संगठन व बीज कंपनियां विरोध में

सरकार के बीज विधेयक को लेकर किसान संगठन व बीज कंपनियां विरोध में हैं। यही कारण है कि वर्ष 2000 से 2019 तक इसे संसद से पारित नहीं कराया जा सका है। बतातें हैं कि कृषि विभाग के वैज्ञानिक व बीज कंपनियों के बीच सांठगांठ है।

भारी बारिश से अस्त-व्यस्त दक्षिण भारत, तमिनलाडु के लिए जारी हुआ येलो और आरेंज अलर्ट

नई दिल्ली। भारी बारिश का कहर दक्षिण के राज्यों में रुकने का नाम नहीं ले रहा है। भारी बारिश के चलते कर्नाटक की राजधानी बेंगलरु में झीलें उफान पर हबैं तो कई घरों में पानी घुस गया है। वहीं तमिलनाडु के कई हिस्सों में बारिश के चलते आई बाढ़ से काफी नुकसान हुआ है। मौसम विभाग के ताजा अपडेट के मुताबिक, तमिलनाडु में येलो अलर्ट जारी किया गया है। यहां पर अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश का अनुमान लगाया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने तमिलनाडु के लिए 23 और 24 नवंबर के लिए येलो अलर्ट और 25- 26 नवंबर के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया है।

आइएमडी ने बताया, 'एक चक्रवाती परिसंचरण दक्षिणपूर्व बंगाल की खाड़ी पर स्थित है। इसके अगले 4-5 दिनों के दौरान पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर तमिलनाडु तट की ओर बढ़ने की संभावना है।' मौसम पूर्वानुमान एजेंसी ने आगे बताया कि एक ट्रफ रेखा चक्रवाती परिसंचरण दक्षिणपूर्व बंगाल की खाड़ी और पड़ोस से तमिलनाडु तट तक जाती हैं। आइएमडी ने अगले 5 दिनों के दौरान कर्नाटक, केरल-माहे तमिलनाडु,

पुडुचेरी और कराईकल में हल्की बारिश की चेतवानी दी है। आइएमडी ने बताया कि अगले 5 दिनों के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में बारिश हो सकती है। 25 और 26 नवंबर को केरल और माहे के अलग-अलग स्थानों में भारी बारिश की की संभावना है। 25 नवंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में भी भारी बारिश की संभावना है।

जांच एजेंसियां कानून के दायरे से रहेंगी बाहर, विरोध के बावजूद समिति की सिफारिश स्वीकार

नई दिल्ली। करीब दो साल के विचार-विमर्श के बाद निजी डेटा सुरक्षा विधेयक से संबंधित संसद की संयुक्त समिति की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया गया, जिसमें उस प्रावधान को बरकरार रखा गया है, जो सरकार को अपनी जांच एजेंसियों को इस प्रस्तावित कानून के दायरे से मुक्त रखने का अधिकार देता है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश समेत कई विपक्षी नेताओं ने इस प्रावधान और कुछ अन्य बिंदुओं को लेकर अपनी ओर से असहमति का नोट भी दिया। लोगों के निजी डेटा की सुरक्षा और डेटा सुरक्षा प्राधिकरण की स्थापना के मकसद से यह विधेयक 2019 में लाया गया था। इसके बाद इस विधेयक को छानबीन और आवश्यक सुझावों के लिए इस समिति के पास भेजा गया था।

कांग्रेस, टीएमसी और बीजेडी ने किया विरोध-कांग्रेस के चार सांसदों, तृणमूल कांग्रेस के दो और बीजू जनता दल

(बीजद) के एक सांसद ने समिति की कुछ सिफारिशों को लेकर अपनी असहमति जताई। निजी डेटा सुरक्षा विधेयक के मुताबिक, केंद्र सरकार राष्ट्रीय हित की सुरक्षा, राज्य की सुरक्षा, लोक व्यवस्था और देश की संप्रभुता एवं अखंडता की रक्षा के लिए अपनी एजेंसियों को इस प्रस्तावित कानून के प्रावधानों से छूट दे सकती है। विपक्षी सदस्यों की ओर से मुख्य रूप से इसको लेकर विरोध जताया गया कि केंद्र सरकार को अपनी एजेंसियों को कानून के दायरे से छूट देने के लिए बेहिसाब ताकत दी जा रही है। कुछ विपक्षी सदस्यों ने सुझाव दिया था कि सरकार को अपनी एजेंसियों को छूट देने के लिए संसदीय मंजूरी लेनी चाहिए ताकि व्यापक जवाबदेही हो सके, हालांकि इस सुझाव को स्वीकार नहीं किया गया। माना जा रहा है कि यह विधेयक 29 नवंबर से आरंभ हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध का नया जरिया हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, संसद की संयुक्त समिति ने इस विधेयक को लेकर कुल 93 अनुशंसाएं की हैं और सरकार के कामकाज और लोगों की निजता की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने का प्रयास हुआ है। समिति के प्रमुख पीपी चौधरी ने कहा कि सरकार और उसकी एजेंसियों की डेटा को लेकर प्रक्रिया आगे बढ़ाने से उसी स्थिति में छूट दी गई है, जब इसका उपयोग लोगों के फायदे के लिए हो। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर किसी तरह की अनुमति की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने कहा, सदस्यों और दूसरे संबंधित पक्षों के साथ गहन विचार-विमर्श के बाद यह रिपोर्ट आई है। मैं सहयोग के लिए सभी सदस्यों का आभार प्रकट करता हूं। इस प्रस्तावित कानून का वैश्विक असर होगा और डेटा सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय मानक भी तय होंगे।

गोरखपुर से बिहार होकर सिलीगुड़ी तक बनेगा एक्सप्रेस-वे, इन 10 जिलों के लिए होगा लाइफलाइन

पटना। बिहार को एक और एक्सप्रेस-वे की सौगात मिलेगी। गोरखपुर से सिलीगुड़ी तक एक्सप्रेस-वे का निर्माण होगा। इस सड़क का अधिकतर हिस्सा उत्तर बिहार के विभिन्न जिलों से होकर गुजरेगा। यह सड़क उत्तर बिहार के लिए लाइफलाइन साबित होगी। बिहार को यूपी और बंगाल के बीच न केवल आवागमन आसान करेगा बल्कि व्यापार के नए रास्ते भी इससे खुलेंगे। केंद्र सरकार ने इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण की सैद्धांतिक सहमति दे दी है। इसके बाद पथ निर्माण विभाग में इस सड़क को साकार करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अभी गोरखपुर से सिलीगुड़ी के बीच कोई सीधी सड़क नहीं है। इस कारण गोरखपुर से सिलीगुड़ी की दूरी तय करने में एक दिन तक लग जा रहा है। जबकि प्रस्तावित गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेस-वे से दोनों शहरों के बीच की दूरी घटकर 600 किलोमीटर से भी कम हो जाएगी। छह-आठ लेन की बनने वाली इस एक्सप्रेस-वे में से 416 किलोमीटर बिहार से होकर गुजरेगी। यानी, इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण से सबसे अधिक बिहार को लाभ होगा।

एक्सप्रेस-वे के मामले में बिहार अभी काफी पीछे है। इसे देखते हुए ही बीते दिनों केंद्र सरकार ने गोरखपुर से सिलीगुड़ी के बीच एक्सप्रेस-वे बनाने का निर्णय लिया है। प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे गोरखपुर से शुरू होकर बिहार के गोपालगंज में प्रवेश करेगी। इसके बाद सीवान, छपरा, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, सहरसा, पूर्णिया, किशनगंज होते हुए सिलीगुड़ी जाएगी। इस एक्सप्रेस-वे का पूरा हिस्सा ग्रीनफील्ड होगा। किसी पुरानी सड़क को एक्सप्रेस-वे में शामिल नहीं करने की योजना है। चूंकि एक्सप्रेस-वे पर गाड़ियों की रफ्तार 100 घंटे प्रति किमी से अधिक होती है। यह तभी संभव है जब सड़क सीधी हो। इसे देखते हुए इस सड़क का एलाइनमेंट इस तरह तय किया जाएगा कि यह एक्सप्रेस-वे गोरखपुर से सीधे सिलीगुड़ी तक जाए। आबादी से हटकर इस सड़क का निर्माण होगा ताकि जमीन अधिग्रहण में अधिक समस्या नहीं हो।

बिहार का चौथा एक्सप्रेस-वे होगा-गोरखपुर से सिलीगुड़ी के बीच प्रस्तावित यह सड़क बिहार का चौथा एक्सप्रेस-वे होगा। औरंगाबाद से जयनगर के बीच एक्सप्रेस-वे के निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। इस सड़क के लिए जमीन अधिग्रहण का काम हो चुका है और जल्द ही इसका टेंडर जारी होगा। वहीं दूसरा एक्सप्रेस-वे रक्सौल से पटना होते हुए कोलकाता तक का होगा। भारतमाला-दो के तहत इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण का प्रस्ताव केंद्र को भेजा गया है। तीसरा एक्सप्रेस वे बक्सर से भागलपुर के बीच प्रस्तावित है। अब गोरखपुर से सिलीगुड़ी के बीच तीसरे एक्सप्रेस-वे निर्माण की कवायद शुरू हो गई है। इस एक्सप्रेस-वे का यूपी में गोरखपुर-आजमगढ़ लिंक एक्सप्रेस-वे सहित अन्य सड़कों से भी जुड़ाव होगा। इस तरह सिलीगुड़ी से यूपी के प्रमुख शहरों के साथ ही दिल्ली आना-जाना भी आसान होगा। पथ निर्माण विभाग के मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि गोरखपुर से सिलीगुड़ी एक्सप्रेस-वे के निर्माण से सबसे अधिक बिहार को लाभ होगा। विशेषकर उत्तर बिहार के लिए यह सड़क वरदान साबित होगा।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईलः-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com